प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 178 | दिनांक : सोमवार, 29 जून 2026 | पन्ने- 10 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सुविचार

समय का महत्वः बीता हुआ कल बदला नहीं जा सकता, लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है।

आयरलैंड ने भारत के खिलाफ सीरीज जीतकर रचा इतिहास, टीम इंडिया को हराकर किया शर्मसार... » पृष्ठ 7 पर

संक्षिप्त न्यूज

आपसे हमारा रिश्ता विश्वास का है...

सेशेल्स की संसद में बोले पीएम मोदी

सेशेल्स (एजेंसी)- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स की 20वीं संसद को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपसे हमारा रिश्ता विश्वास का है। उन्होंने कहा कि इस नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री के तौर पर आपके सामने उपस्थित होना मेरे लिए एक खास सम्मान की बात है। मैं अपने साथ भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं और बधाई लेकर आया हूं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में मैंने जिस पहले देश का दौरा किया था, वह 2015 में सेशेल्स ही था। मैं यहां इसलिए आया, क्योंकि मेरा मानना है कि हिंद महासागर के लिए भारत के विज़न में सेशेल्स की एक खास जगह है। एक दशक बाद जब मैं यहां वापस आया हूं, तो मेरा यह विश्वास पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत हुआ है। मुझे खुशी है कि मैं आपकी आज़ादी के 50 साल पूरे होने के जश्न में आपके साथ शामिल हो रहा हूं।

फ्रांस में बड़ा विमान हादसा, टॉमब्लेन में प्लेन क्रैश से 11 लोगों की मौत

पेरिस(एजेंसी)- फ्रांस के नैन्सी शहर के पास टॉमब्लेन शहर में एक प्लेन क्रैश होने से 11 लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्रालय ने बताया कि फ्रांस के गृह मंत्री घटनास्थल के लिए रवाना हो गए है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्लेन पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का था। प्रशासन ने एजेंसी को बताया कि इस हादसे में पायलट और सभी 10 यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्लेन में स्काईडाइविंग ट्रिप पर जा रहे लोगों का एक ग्रुप सवार था। पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन में एयरपोर्ट के आस-पास के इलाके में जाने से पूरी तरह बचने की अपील की है। ऑर्डर ऑफ इंडिपेंडेंट नर्सेस की मर्थ-ए-मोसेल शाखा के अध्यक्ष थिएरी पेची ने क्रैश वाली जगह से बताया कि मरने वाले नैन्सी के सेल्फ-एम्प्लॉयड नर्थ थे, जो अपने पहले स्काईडाइविंग अनुभव में हिस्सा ले रहे थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मरने वालों के कई रिश्तेदारों ने क्रैश होते हुए देखा। वे ग्रुप के शुरुआती स्काईडाइविंग अनुभव को देखने के लिए इकट्ठा हुए थे।

अपने गिरेबान में झांके पाकिस्तान...

नई दिल्ली (ब्यूरो)- भारत ने कराची में हुए हालिया आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। इसके साथ ही नसीहत दी है कि पाकिस्तान अपने देश से संचालित आतंकी ढांचे को खत्म करने पर ध्यान दे। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अंदर झांकना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े मीडिया के सवालों के जवाब में आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने कराची में हाल ही में हुई घटना को लेकर भारत के खिलाफ लगाए गए पाकिस्तान के आरोपों वाली रिपोर्टें देखी हैं। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अंदर झांकना चाहिए, अपनी जमीन पर मौजूद आतंकवादी ढांचे के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए और आतंकवाद को राज्य की नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी प्रवृत्ति को समाप्त करना चाहिए। बता दें कि पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के गुलिस्तान-ए-जौहर कैंप पर हुए आतंकी हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं, जबकि तीन हथियारबंद हमलावरों की भी जान गई है और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह अक्टूबर 2024 के बाद शहर में हुआ पहला बड़ा आतंकी हमला था।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने स्वदेशी रक्षा शक्ति से सामाजिक बदलाव तक का किया जिक्र

आत्मनिर्भर रक्षा, विमानन और जनभागीदारी ने बढ़ाया भारत का गौरव

जून बना उपलब्धियों का महीना, 'मेड इन इंडिया' रक्षा और विमानन क्षमता पर पीएम का जोर, राष्ट्रीय हित में एकजुट हुआ देश, आत्मनिर्भर भारत को मिली नई ताकत : मोदी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

28 जून (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में कहा कि जून 2026 का महीना भारत के लिए आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति, सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि रक्षा, विमानन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान करती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 का आधा समय पूरा होने जा रहा है और बीते छह महीनों में भारत ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में बने तनावपूर्ण हालात का उल्लेख करते हुए कहा कि देशवासियों ने जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय दिया है। उनकी अपील पर लोगों ने सोने की खरीद सीमित करने, विदेश यात्राएं टालने, कार पूलिंग अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए हैं।

इससे राष्ट्रीय हितों के प्रति नागरिकों की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। मोदी ने कहा कि अनेक परिवारों ने विवाह समारोहों में नया सोना खरीदने के बजाय पुराने आभूषणों का पुनर्चक्रण करने का निर्णय लिया है, जबकि बड़ी संख्या में लोगों ने सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देकर ईंधन बचत में योगदान दिया है। विभिन्न राज्यों से प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि की

रिपोर्ट भी प्राप्त हुई हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में कोलकाता में आयोजित नौसेना कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। इन युद्धपोतों का डिजाइन और निर्माण पूरी तरह भारत में हुआ है, जो देश की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि जून में 'मेड इन इंडिया' सी-295 परिवहन विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की है और ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां भारत की बढ़ती सामरिक और औद्योगिक शक्ति को दर्शाती हैं।

सेशेल्स ने पीएम मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान से नवाजा

» प्रथम न्यूज । विक्टोरिया (सेशेल्स)

28 जून (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स के राष्ट्रपति पट्रिक हेरमिनिए ने 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' की मानद उपाधि से सम्मानित किया। यह किसी विदेशी देश द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया 34वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हुए इस सम्मान को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहे सभी देशों को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है तथा जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का मुकाबला सभी देशों को मिलकर करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत पृथ्वी को अधिक हरित और टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता भारत की विभिन्न नीतियों, 'मिशन लाइफ', इंटरनेशनल सोलर अलायंस और कोल्शन फॉर डिज़ास्टर रेसिलिट

इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी पहलों में दिखाई देती है।

तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स कोस्ट गार्ड को भारत में निर्मित एक तेज गश्ती पोत भी सौंपा, जिससे दोनों देशों के समुद्री सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भी शामिल होंगे।

हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी की पहल रंग लाई

निहंगों और उत्तराखंड सरकार के बीच खत्म हुआ विवाद

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़/नाहन

28 जून (एएम नाथ)

कई दिनों से आंदोलनरत निहंगों व उत्तराखंड सरकार के बीच चल रहा विवाद आखिरकार हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल पर सुलझ गया। शुक्रवार (27 जून, 2026) देर रात निहंगों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मांगों से अवगत करवाया।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने तत्काल अपने राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी को मामले के समाधान की जिम्मेदारी सौंपी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर तरुण भंडारी ने उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार बातचीत की और दोनों पक्षों के बीच समन्वय स्थापित कराया। लंबी बातचीत के बाद सहमति बनी, जिसके साथ ही कई दिनों से चल रहा गतिरोध समाप्त हो गया और निहंगों ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा कर दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी ने उत्तराखंड सरकार से संपर्क साधा और ऐसा समाधान निकालने का प्रयास किया, जिससे निहंगों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान भी बना रहे और प्रशासनिक व्यवस्था भी प्रभावित न हो।

सहमति बनने के बाद निहंग प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। पांवटा साहिब गुरुद्वारे में पत्रकारों से बातचीत में निहंगों के जत्थेदार मेजर सिंह सोढी, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी हरियाणा के महासचिव अंग्रेज सिंह और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राजनीतिक सलाहकार एवं सचिव तरुण भंडारी ने कहा कि कुछ लोग इसे राजनीतिक तूल देकर माहौल बिगाड़ने का काम करते हैं। जत्थेदारों ने कहा, यह कोई धार्मिक लड़ाई नहीं है। हिंदू, मुस्लिम, सिख व ईसाई हम सब भाई हैं।

उत्तराखंड में चारों निहंग जमानत पर रिहा

उत्तराखंड के कर्णप्रयाग में 16 जून को तलवार से जानलेवा हमला करने के आरोपित चार निहंगों को जिला एवं सत्र न्यायाधीश विंध्याचल सिंह की अदालत से जमानत मिलने के बाद रिहा कर दिया है। इनमें सतविंदर सिंह, अजय सिंह, जसप्रीत सिंह न्यायिक हिरासत में थे, घायल निहंग मनप्रीत सिंह का पुलिस निगरानी में एम्स ऋषिकेश में इलाज चल रहा है।

हिमाचल सरकार का बड़ा फैसला, पंचायतों में भ्रष्टाचार पर होगी सख्त कार्रवाई

उपायुक्तों को मिले विशेष अधिकार

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश सरकार ने पंचायतों में विकास कार्यों से जुड़ी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया है। सरकार ने अधिसूचना जारी कर सभी उपायुक्तों को हिमाचल प्रदेश प्रिवेंशन ऑफ स्पेसिफिक करप्ट प्रैक्टिसेज एक्ट, 1983 के तहत रिपोर्ट जारी करने का सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है। यह व्यवस्था उन निजी व्यक्तियों पर भी लागू होगी जो पंचायतों में हुए कथित भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं या अवैध लाभ के मामलों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल पाए जाएंगे।

अब केवल जनप्रतिनिधियों या सरकारी अधिकारियों ही नहीं, बल्कि उन निजी व्यक्तियों पर भी कार्रवाई की जा सकेगी जो किसी अनियमित कार्य में सहयोगी रहे हों या अवैध रूप से उसका लाभ उठा रहे हों।

कानूनी कार्रवाई का रास्ता होगा साफ

पंचायती राज विभाग के सचिव सी पालरासु द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय विभाग की 18 फरवरी, 2026 की पूर्व अधिसूचना के क्रम में लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत संबंधित जिले के उपायुक्त अब ऐसे मामलों में रिपोर्ट-इन-राइटिंग जारी करेंगे, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ होगा।

विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने को उठाया गया कदम

पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह कदम आवश्यक था। नई अधिसूचना से पंचायतों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर निगरानी और अधिक सख्त होने की उम्मीद है। इससे भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा, सरकारी धन के दुरुपयोग पर अंकुश लगेगा और विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी। सरकार का यह फैसला पंचायतों में सुशासन और जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

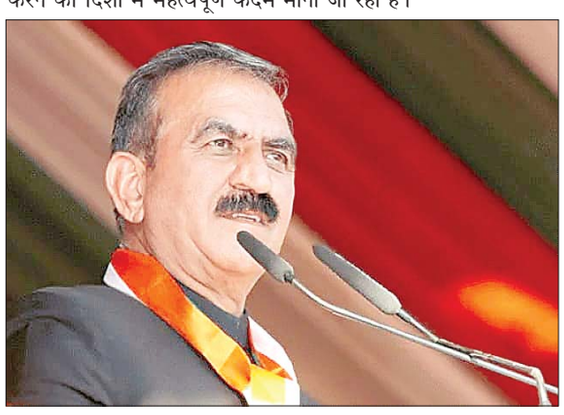

पंजाब में 1 जुलाई को अहम कैबिनेट बैठक

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

28 जून (एएम नाथ)

पंजाब में 1 जुलाई को मंत्रिमंडल की अहम बैठक बुलाई गई है। यह बैठक मुख्यमंत्री के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर शाम चार बजे आयोजित की जाएगी। इस बैठक को लेकर प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है, क्योंकि इसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है।

हालांकि सरकार की ओर से बैठक का औपचारिक कार्यसूची अभी तक जारी नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि कुछ बड़े और जनहित से जुड़े फैसलों पर विचार किया जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में नई योजनाओं की शुरुआत और पहले से चल रही योजनाओं की समीक्षा भी हो सकती है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि बैठक में मांवा धियां सत्कार योजना को लेकर भी चर्चा संभव है। यह योजना महिलाओं और बच्चों से जुड़े कल्याणकारी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है और इसे लेकर सरकार लंबे समय से तैयारी कर रही है। अब इस बैठक में इसके औपचारिक रूप से शुरू किए जाने पर निर्णय लिया

जा सकता है।

मानसून सत्र की तारीखों पर विचार संभावित : इसके अलावा मानसून सत्र की संभावित तारीखों पर भी चर्चा होने की संभावना है। आने वाले समय में विधानसभा सत्र को लेकर रणनीति तय की जा सकती है, ताकि सरकार अपनी नीतियों और योजनाओं को सदन में पेश कर सके।

राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें आने वाले समय की दिशा तय करने वाले कई फैसले लिए जा सकते हैं। अधिकारियों का मानना है कि बैठक में विकास, प्रशासनिक सुधार और जनकल्याण से जुड़े कई मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा।

महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं

सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस तरह की बैठकों में राज्य की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जाते हैं। इसलिए एक जुलाई की यह बैठक आने वाले दिनों में कई बड़े बदलावों की दिशा तय कर सकती है।

फिलहाल सभी की नजरें इस बैठक पर टिकी हुई हैं और यह देखना अहम होगा कि सरकार किन मुद्दों पर अंतिम मुहर लगाती है और कौन से नए फैसले सामने आते हैं।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

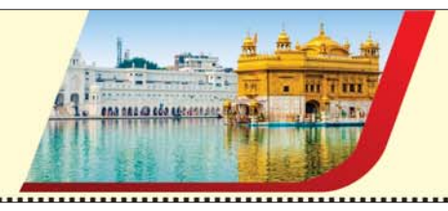

संक्षिप्त न्यूज

भव्य शोभायात्रा के साथ धूमधाम से मनाया भगत कबीर जी का प्रकाशोत्सव

-विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तियां हुईं शामिल

अमृतसर (साहिब दयाल) श्री सतगुरु भक्त कबीर जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में केंद्रीय श्री सतगुरु भक्त कबीर जी मुख्य मंदिर के प्रधान वरुण भगत के नेतृत्व में शहर में भव्य एवं श्रद्धापूर्ण शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्त कबीर जी के जयघोष, भजन-कीर्तन तथा उनकी वाणी के संदेशों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा जगह-जगह शीतल जल, शरबत एवं लंगर की सेवा भी लगाई गई। इस अवसर पर पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री ओम प्रकाश सोनी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राज कुमार वेरका, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हरविंदर सिंह संधू, मनीष शर्मा, हल्का पश्चिम के प्रभारी कुमार अमित, वरिष्ठ नेता राकेश गिल, वार्ड नंबर 70 के पार्षद विजय भगत, डिप्टी मेयर श्रीमती अनीता रानी के सुपुत्र तरुणबीर कैंडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूर्व पार्षद सुरिंदर कुमार शिंदा भी विशेष रूप से समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर ओम प्रकाश सोनी ने कहा कि संत कबीर जी ने समाज को समानता, भाईचारे, प्रेम, सत्य और मानवता का संदेश दिया। पूर्व मंत्री राज कुमार वेरका ने कहा कि संत कबीर की शिक्षाएं सर्वधर्म समभाव और सामाजिक समानता की प्रतीक हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष हरविंदर सिंह संधू ने कहा कि संत कबीर का जीवन सादगी, ईमानदारी और मानव सेवा के लिए समर्पित रहा।

कार्यक्रम के अंत में प्रधान वरुण भगत ने सभी अतिथियों, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं तथा श्रद्धालुओं का शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

शिवोहम सेवा मंडल सदस्यों ने अमरनाथ यात्रा के लिए राशन सामग्री का ट्रक रवाना किया

अमृतसर (साहिब दयाल) शिवोहम सेवा मंडल के चेयरमैन अशोक बेदी एवं उनकी टीम द्वारा श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान लगाए जाने वाले विशाल भंडारे के लिए आज बाबा भोले वाला मंदिर, छेहरटा से राशन सामग्री से भरा ट्रक विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत रवाना किया गया। इस अवसर पर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम के दौरान आरती देवा जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना संपन्न करवाई तथा ट्रक के आगे नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। उन्होंने शिवोहम सेवा मंडल द्वारा लगातार की जा रही सेवा की सराहना करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की निस्वार्थ सेवा करना भगवान शिव की सच्ची आराधना है।

चेयरमैन अशोक बेदी ने बताया कि शिवोहम सेवा मंडल द्वारा 1 जुलाई से अमरनाथ यात्रियों के लिए विशाल भंडारे की शुरुआत की जाएगी, जो यात्रा अवधि तक निरंतर चलेगा। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे भोजन, चाय, नाश्ता, शुद्ध पेयजल, बच्चों के लिए दूध तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं संगत से अपील की कि वे इस सेवा कार्य में अपना सहयोग दें तथा बाबा बर्फानी के आशीर्वाद के भागी बनें। इस अवसर पर डॉ. मानव सोढ़ी, अरवीन भाखना, डॉ. अश्वनी मन्नण, अमन रामपाल, दीपक रामपाल, हरीश भसीन, रमन शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं सेवादार उपस्थित रहे।

95 नशीली गोलियों के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - थाना धारीवाल की पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुस्तैदी के साथ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को नशीली गोलियों की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए आदित्य एसएसपी, गुरदासपुर ने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर धारीवाल क्षेत्र से आकाश गिल उर्फ गिल को काबू किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 95 नशीली गोलियां बरामद की गईं। आरोपी के खिलाफ थाना धारीवाल में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22-61-85 के तहत मुकदमा दर्ज कर रजिस्टर कर लिया गया है।

अमृतसर को मिला नया सुल्तानविंड फ्लाईओवर,

11.52 करोड़ रुपये की बचत का दावा

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जनता को समर्पित किया सुल्तानविंड ओवरब्रिज, यातायात जाम से मिलेगी राहत

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

28 जून (साहिब दयाल)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर को बड़ी सौगात देते हुए सुल्तानविंड बाईपास और सुल्तानविंड लिंक रोड के जंक्शन पर निर्मित नए फ्लाईओवर को जनता को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से लंबे समय से चली आ रही यातायात समस्या का समाधान होगा और प्रतिदिन श्री दरबार साहिब सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर आने वाले दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

फ्लाईओवर के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पारदर्शी और जनहितैषी शासन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए 34.20 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई थी, लेकिन इसे केवल 22.68 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया, जिससे सरकारी खजाने के 11.52 करोड़ रुपये की बचत हुई। पहुंच मार्गों सहित परियोजना की कुल लंबाई 985 मीटर है, जबकि फ्लाईओवर

725 मीटर लंबा और 14 मीटर चौड़ा है। दोनों ओर 5.50 मीटर चौड़ी सर्विस रोड भी बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्यावरण-अनुकूल परियोजना है, जिसमें वर्षा जल निकासी के लिए आरसीसी नालियों के साथ रेन वाटर हार्वेस्टिंग वेल्स भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार करदाताओं का पैसा बचाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग कर रही है तथा 43 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण एवं रखरखाव की जिम्मेदारी ठेकेदारों को दी जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 15 जुलाई तक राज्य में 3,100 नए स्टेडियम, 3,000 जिम और 400 नए आम आदमी क्लीनिक जनता को समर्पित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब पंजाब में सिंचाई के लिए 80 प्रतिशत से अधिक नहरी पानी का उपयोग हो रहा है और 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार के विकास कार्यों का मुकाबला न कर पाने के कारण विपक्षी दल फर्जी वीडियो फैलाने जैसे हथकंडे अपना रहे हैं।

अकाल तख्त के हर आदेश का पालन करेंगे, सोमवार को पेश होंगे मंत्री-विधायक: भगवंत मान

महाराष्ट्र सरकार सिख मामलों में हस्तक्षेप न करे, अकाल तख्त पर बोले भगवंत मान

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

28 जून (साहिब दयाल)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि अकाल तख्त सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और उसके हर आदेश का पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अकाल तख्त द्वारा तलब किए गए पंजाब विधानसभा के स्पीकर सहित सभी मंत्री और विधायक सोमवार को वहां उपस्थित होकर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे।

अमृतसर में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल के साथ मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके लिए अकाल

तख्त सर्वोपरि है और वहां से जारी हर आदेश अक्षरश: स्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी नकल करने वाले व्यक्ति की कथित फर्जी वीडियो से जुड़े सभी तथ्य भी अकाल तख्त को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर इस मुद्दे को धार्मिक रंग देकर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि राजनीति और धर्म को अलग-अलग रखा जाना चाहिए। मान ने यह भी कहा कि उनके खिलाफ सामाजिक बहिष्कार के पोस्टर लगाए जा रहे हैं, जबकि पहले ऐसे मामलों में ऐसा नहीं किया गया।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा हजूर साहिब से जुड़े अधिनियम को निरस्त करने के फैसले पर उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के धार्मिक मामलों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए और धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और अरविंद केजरीवाल ने स्वामी अशनील महाराज को भगवान शिव की प्रतिमा भेंट कर किया सम्मानित

अमृतसर (साहिब दयाल) आप सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के सानिध्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम एक शाम भगवान शिव के नाम में जगद्गुरु स्वामी अशनील महाराज जी ने शिरकत की। इस मौके पर माननीय मुख्यमंत्री पंजाब और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने स्वामी अशनील जी को भगवान भोले शंकर जी का स्वरूप देकर विशेष तौर पर सम्मानित किया। इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी अशनील महाराज ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को और श्री अरविंद केजरीवाल को आशीर्वाद दिया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर संबंधी ट्रेनिंग संपन्न

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

28 जून (संदीप सन्नी)

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला निर्वाचन अधिकारी-कम-डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल की कुशल अगुवाई में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों-गुरदासपुर, कादियां, श्री हरगोबिंदपुर साहिब, फतेहगढ़ चूड़ियां, डेरा बाबा नानक, बटाला और दीनानगर में %स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन% को लेकर बीएलओ और ब्लॉक लेवल एजेंटों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

इसी श्रृंखला के तहत दीनानगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों को स्थानीय एस.एस.एम. कॉलेज में एसआईआर से संबंधित विशेष ट्रेनिंग दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बूथ लेवल अधिकारियों के साथ-साथ सेक्टर अफसरों, असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर्स और विभिन्न टीमों के नोडल अधिकारियों ने मुख्य रूप से भाग लिया।

प्रशासनिक स्तर पर दी गई बारीकियों की जानकारी : इस संबंध में विस्तृत विवरण साझा करते हुए एसडीएम दीनानगर गगनदीप सिंह ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी गुरदासपुर के दिशा-निर्देशों के तहत दीनानगर विधानसभा क्षेत्र के समस्त फील्ड स्टाफ को चुनावी सूचियों के पुनरीक्षण कार्य के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित किया

गया है।

ट्रेनिंग के दौरान असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों और जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार एसआईआर प्रक्रिया के विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की गई।

शंकाओं का किया गया निवारण; घर-घर जाने के निर्देश : प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों ने बीएलओ के साथ सीधा संवाद और विचार-विमर्श किया। इस दौरान फील्ड स्टाफ द्वारा पूछे गए सवालों और शंकाओं का मौके पर ही निवारण किया गया। इसके साथ ही फील्ड में काम करने के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के त्वरित और उचित समाधान का भरोसा दिया गया।

एसडीएम ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा : सभी बीएलओ पूरी मुस्तैदी के साथ अनिवार्य रूप से प्रत्येक घर का दौरा करें और जमीनी स्तर पर तथ्यों का सटीक सत्यापन सुनिश्चित करें। इस राष्ट्रीय कार्य के दौरान निर्वाचन आयोग की हिदायतों की पूरी तरह से पालना सुनिश्चित की जाए ताकि एक शुद्ध व त्रुटिहीन वोटर सूची तैयार की जा सके।

मुस्लिम संगठन पंजाब ने कपूरथला जिला इकाई का किया गठन, मौलाना अमानुल्लाह मजाहिरी बने प्रधान

» प्रथम न्यूज । जालंधर

28 जून (डोगरा)

मुस्लिम संगठन पंजाब की एक महत्वपूर्ण बैठक संगठन के महासचिव मज़हर आलम मजाहिरी की अध्यक्षता में अमृतसर रोड स्थित मस्जिद बीबी पीरों वाली में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के प्रधान एडवोकेट नईम खान और हाजी आबिद हसन सलमानी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

बैठक में मुस्लिम समाज से जुड़ी समस्याओं और मुद्दों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर एडवोकेट नईम खान ने कहा कि पिछले महीने मुस्लिम संगठन पंजाब की सभी इकाइयों को भंग कर दिया गया था। अब संगठन को नए सिरे से मजबूत करते हुए प्रत्येक जिले में नई इकाइयों का गठन किया जा रहा है। नवांशहर के बाद यह संगठन की दूसरी बैठक है। बैठक के दौरान महासचिव मोहम्मद मज़हर आलम मजाहिरी ने नए पदाधिकारियों के नामों का प्रस्ताव रखा। जिस पर संगठन के प्रधान एडवोकेट नईम खान और हाजी आबिद हसन सलमानी ने मौलाना अमानुल्लाह मजाहिरी को मुस्लिम संगठन पंजाब की जिला कपूरथला इकाई का प्रधान नियुक्त करने की घोषणा की। मौजूद लोगों ने तालियों के साथ नए पदाधिकारियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर एडवोकेट नईम खान ने कहा कि मुस्लिम संगठन पंजाब समाज की आवाज़ बनकर उसके मुद्दों को प्रशासन और सरकार तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आने वाले दिनों में पंजाब के सभी जिलों में नए प्रधान नियुक्त किए जाएंगे।

वहीं, जिला कपूरथला का प्रधान बनाए जाने पर मौलाना अमानुल्लाह मजाहिरी ने एडवोकेट नईम खान और महासचिव मज़हर आलम मजाहिरी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास ,भरोसे के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, वह उस विश्वास को कायम रखने का पूरा प्रयास करेंगे।

मौलाना अमानुल्लाह मजाहिरी ने कहा कि मुस्लिम संगठन पंजाब एक ऐसा संगठन है जो राज्य में मुस्लिम समाज के मुद्दों और समस्याओं को लेकर काम करने वाला एक सक्रिय संगठन है, जो समाज की आवाज को के मुद्दों को लेकर लगातार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर हाजी खुश मोहम्मद, हाजी अब्दुल गफ्फार सलमानी ,रफीक अहमद, ईमाम मोहम्मद सद्दाम हुसैन, बिट्टू गुजर ,कारी अब्दुस्सलाम, सिकंदर सैख, सरफुद्दीन व अन्य मौजूद थे।

पल्स पोलियो अभियान में सुशील तिवारी ने संभाली कमान, बच्चों को पिलाई जीवनरक्षक बूंदें

जालंधर, 28 जून (डोगरा) नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर-79 स्थित संजय गांधी नगर में गौतम क्लीनिक द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पल्स पोलियो टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जालंधर उतरी विधानसभा के युवा नेता सुशील तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी बूंदें पिलाकर अभियान की शुरुआत की।

इस अवसर पर युवा नेता सुशील तिवारी ने कहा कि भारत ने जनसहभागिता और स्वास्थ्य कर्मियों के अथक प्रयासों से पोलियो पर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए हर अभिभावक को अपने बच्चों को समय-समय पर पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का स्वस्थ भविष्य तभी सुरक्षित रहेगा, जब कोई भी बच्चा पोलियोरोधी बूंदों से वंचित न रहे। गौतम क्लीनिक के मुख्य चिकित्सक डॉ. एस.एस. गौतम ने कहा कि पोलियो का कोई स्थायी इलाज नहीं है। इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय केवल समय पर पोलियो वैक्सीन है। इसलिए प्रत्येक अभिभावक को पल्स पोलियो अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. अंकुर गौतम, डॉ. एस.एल. गौतम, पंडित सतीश तिवारी ,आशा वर्कर अंजू बाला , एंजेल मेसी, नाज़िया सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सरकार मिड-डे मील वर्कर्रों पर न्यूनतम वेतन का नियम लागू करे : जी.टी.यू. पंजाब

कपूरथला (ब्यूरो)- गवर्नमेंट टीचर यूनियन-पंजाब ने मिड-डे मील वर्कर्रों की जायज मांगों का समर्थन करते हुए पंजाब सरकार से उन्हें शीघ्र न्याय देने की मांग की है।जी.टी.यू. पंजाब सहायक प्रेस सचिव गणेश भगत, जिला इकाई सीनियर सदस्य दलजीत सिंह सैनी तहसील फगवाड़ा के अध्यक्ष परमजीत सिंह चौहान ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि मिड-डे मील वर्कर यूनियन द्वारा अपनी मांगों के समाधान के लिए 1 जुलाई 2026 से पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए मिड-डे मील तैयार न करने के ऐलान का यूनियन पूर्ण समर्थन करती है। यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार मिड-डे मील वर्कर्रों को दिए जा रहे अत्यंत कम मानदेय में वृद्धि करे, उन पर न्यूनतम वेतन अधिनियम लागू करे, चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराए, ईएसआई और पीएफ की सुविधा लागू करे तथा वर्ष में दो बार वर्दी उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी वर्षों से बेहद कम मानदेय पर सेवाएं दे रहे हैं, जो उनके साथ अन्याय है।जी.टी.यू. पंजाब ने सरकार और शिक्षा विभाग से मांग की कि यदि 1 जुलाई से मिड-डे मील सेवा प्रभावित होती है तो स्कूलों में भोजन तैयार करने और वितरित करने की उचित वैकल्पिक व्यवस्था की जाए तथा इस कार्य का अतिरिक्त बोझ शिक्षकों पर न डाला जाए। यूनियन ने मिड-डे मील वर्कर्रों के संघर्ष के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हुए सरकार से उनकी सभी जायज मांगों का शीघ्र समाधान करने की अपील की।

मिड-डे मील वर्कर्रों की मांगों के समर्थन में उतरी गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

सुरक्षा कारणों से श्रीखंड महादेव यात्रा 2026 अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

खतरनाक मार्ग और प्राकृतिक आपदा के खतरे के चलते प्रशासन का बड़ा फैसला, भीमद्वारी-पार्वती बाग मार्ग असुरक्षित, तीन दिन में हटेंगे सभी अस्थायी ढांचे

» प्रथम न्यूज । कुल्लू

28 जून (एएम नाथ)

कुल्लू जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए श्रीखंड महादेव यात्रा-2026 को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया है।

जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर यात्रा पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यात्रा मार्ग पर स्थापित सभी अस्थायी शिविरों, टेंटों, राशन दुकानों और अन्य ढांचों को आदेश जारी होने की तिथि से तीन दिनों के भीतर हटाने को कहा गया है। यह निर्णय एबीवीआईएमएएस मनाली, राजस्व विभाग और वन विभाग के विशेषज्ञों के संयुक्त निरीक्षण दल की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। विशेषज्ञों ने भीमद्वारी से पार्वती बाग तक के मार्ग का निरीक्षण कर इसे अत्यधिक खतरनाक और असुरक्षित बताया। बाद में वैकल्पिक मार्गों की संभावनाओं का भी परीक्षण किया गया, लेकिन वे भी सुरक्षित नहीं पाए गए।

रिपोर्ट के अनुसार यात्रा मार्ग तीव्र ढलानों, ढीली एवं अस्थिर मिट्टी, संकरे और फिसलन भरे रास्तों तथा कई नालों से होकर गुजरता है। क्षेत्र में भूस्खलन, चट्टानें गिरने, फ्लैश फ्लड और मलबा आने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का गंभीर खतरा बना हुआ है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि किसी भी आपात स्थिति में भीमद्वारी और पार्वती बाग के बीच राहत एवं बचाव अभियान चलाना बेहद कठिन होगा।

प्रशासन ने पुलिस, राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित यात्रा मार्ग में प्रवेश न करे।

आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अगली सूचना तक यात्रा का प्रयास न करें और जारी निर्देशों का पालन करें।

उड़नपरी सीमा का गोल्डन डबल, 10 हजार मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय इंटरस्टेट चैंपियनशिप में सीमा का दमदार प्रदर्शन, एशियन गेम्स के लिए चयन पक्का

चम्बा की बेटी सीमा ने फिर बढ़ाया प्रदेश का मान, एक ही प्रतियोगिता में दूसरा गोल्ड जीता

» प्रथम न्यूज । चम्बा

28 जून (एएम नाथ)

जिला चम्बा की अंतरराष्ट्रीय धाविका और 'उड़नपरी' के नाम से प्रसिद्ध सीमा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम सफलता हासिल की है। भुवनेश्वर (उड़ीसा) स्थित कलिंगा स्टेडियम में 24 से 28 जून तक आयोजित 65वीं राष्ट्रीय इंटरस्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सीमा ने 10,000 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 34:28.75 मिनट का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

यह देश की सबसे प्रतिष्ठित ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं में से एक मानी जाती है, जहां से एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाता है। सीमा इससे पहले 5,000 मीटर दौड़ में विदेशी प्रतियोगिता के दौरान एशियन गेम्स की निर्धारित क्वालीफाइंग टाइमिंग हासिल कर चुकी थीं। हालांकि अंतिम चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करना जरूरी था। 10,000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही सीमा ने आगामी एशियन गेम्स के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया है।

इस उपलब्धि के पीछे सीमा की कड़ी मेहनत और उनके प्रशिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपने विदेशी कोच स्कॉट सिमन्स तथा भारतीय कोच अजीथ मार्कोज़ का विशेष आभार व्यक्त किया। सीमा ने अपने प्रायोजक रिलायंस फाउंडेशन युथ स्पोर्ट्स को भी इस सफलता का प्रमुख आधार बताया।

सीमा ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य सितंबर में जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। उनकी इस उपलब्धि से चम्बा सहित पूरे हिमाचल प्रदेश में खुशी का माहौल है।

बड़ा भंगाल की सभी पात्र महिलाओं को मिलेंगे 1500 रुपये : मुख्यमंत्री

प्राकृतिक खेती से उगाई राजमाह पर मिलेगा समर्थन मूल्य

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला

28 जून (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू आज जिला कांगड़ा के अति दुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं को जाना। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री होंगे, जो यहां रात्रि प्रवास करेंगे।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने लोगों से संवाद के दौरान 6 बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने बड़ा भंगाल की सभी पात्र महिलाओं को इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत 1,500 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की। इस दुर्गम क्षेत्र में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए जनरेटर सेट लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बड़ा भंगाल के स्कूली बच्चों को उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए इंसेंटिव दिया जाएगा। इस क्षेत्र के नजदीकी स्कूलों को सरकार नोडल स्कूल बनाएगी ताकि बीड़ इत्यादि क्षेत्रों में जाकर यहां के बच्चे स्कूली शिक्षा ग्रहण कर सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बड़ा भंगाल को इको टूरिज्म के तौर पर विकसित करने के निर्देश दिए तथा शीघ्र ही विस्तृत कार्य योजना बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती से उगाए गए राजमाह पर सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करेगी।

श्री सुक्खू ने कृषि विभाग के अधिकारियों को बड़ा भंगाल के लोगों को प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ने व इसके लिए सभी सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश भी दिए। इस क्षेत्र के भेड़ पालकों के लिए मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार भेड़ पालकों से मीट की उचित मूल्य पर खरीद करेगी।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार उनका जीवन सुगम बनाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने क्षेत्र का दौरा कर आपदा के समय हुए नुकसान का जायजा भी लिया।

उन्होंने कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे स्थानीय लोगों के अनुभवों को करीब से जाना। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 के बाद प्रदेश के किसी भी मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल का दौरा नहीं किया है। इस अवसर पर विधायक किशोरी लाल भी उपस्थित थे।

चुराह में दर्दनाक हादसा, 300 फीट गहरी खाई में गिरी कार, चार की मौत

» प्रथम न्यूज । चम्बा

28 जून (एएम नाथ)

चम्बा जिले के चुराह उपमंडल में शनिवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे का पता रविवार सुबह उस समय चला, जब स्थानीय लोगों ने नकरोड़-हिमगिरि डैम सड़क पर एक ऑल्टो कार को करीब 300 फीट गहरी खाई में गिरा हुआ देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही तीसा पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय लोगों की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हालांकि कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान शुक्र दीन (50) पुत्र शाक मोहम्मद, सलमान (25) पुत्र तेज दीन, बिट्टू (38) पुत्र किशन तथा संजू (22) पुत्र खेमी के रूप में हुई है। सभी मृतक गांव करमुण्ड, डाकघर टिकरीगढ़ के निवासी थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शवों को खाई से बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। माना जा रहा है कि देर रात वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

इस हृदयविदारक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

जिला शिमला में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन 50,454 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

» प्रथम न्यूज । शिमला

28 जून (बी.शर्मा)

राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के अंतर्गत जिला शिमला में रविवार को अभियान का प्रथम चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के पहले दिन जिले भर में स्थापित 704 पल्स पोलियो बूथों पर 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 50,454 बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की दो बूंदें पिलाई गईं। अभियान के सफल संचालन में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजन का सराहनीय सहयोग रहा।

शोघी पुलिस बैरियर पर विशेष बूथ लगाया गया था। जहां पर बसें, वाहन रोककर टूरिस्टों के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गईं। इसके साथ यहां लोकगीतों पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। टूरिस्टों ने इन कार्यक्रमों का खूब आनंद लिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला शिमला डॉ. यशपाल रांटा ने अभियान की सफलता पर सभी चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों, स्वयंसेवकों, पुलिस विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों तथा अन्य सहयोगी विभागों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों और अभिभावकों की जागरूकता के कारण अभियान के पहले दिन जिले में उत्साहजनक उपलब्धि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन की दिशा में प्रत्येक बच्चे तक पहुंचना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डॉ. यशपाल रांटा ने बताया कि जिले के विभिन्न स्वास्थ्य खंडों में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का विवरण इस प्रकार रहा-

चिड़गांव - 3,130 बच्चे
कोटखाई - 5,426 बच्चे
कुमारसैन - 2,065 बच्चे
मशोबरा - 8,166 बच्चे
मतियाना - 5,166 बच्चे
ननखड़ी - 1,129 बच्चे
नेरवा - 7,771 बच्चे
रामपुर - 5,014 बच्चे
सुन्नी - 1,928 बच्चे
टिक्कर - 3,773 बच्चे
शिमला शहरी - 6,886 बच्चे

इस प्रकार जिले में पहले दिन कुल 50,454 बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक प्रदान की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 29 एवं 30 जून, 2026 को भी जारी रहेगा। इन दोनों दिनों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, जो पहले दिन किसी कारणवश बूथों तक नहीं पहुंच सके या जिनकी खुराक छूट गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

डॉ. यशपाल रांटा ने सभी अभिभावकों एवं अभिभाविकाओं से अपील करते हुए कहा कि यदि उनका बच्चा पहले दिन पोलियो बूथ तक नहीं पहुंच पाया है तो वे घर-घर आने वाली स्वास्थ्य टीमों का पूरा सहयोग करें और अपने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दो बूंदें पिलवाएं। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है तथा समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को स्थायी रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला शिमला के नागरिकों का सहयोग आगे भी इसी प्रकार मिलता रहेगा और स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचकर इस महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाएगा।

डॉ. शांडिल ने शूलिनी मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या का किया शुभारम्भ

» प्रथम न्यूज । सोलन

28 जून (बी. शर्मा)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने गत सांय ऐतिहासिक ठोडो मैदान में राष्ट्रीय स्तरीय माँ शूलिनी मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या की अध्यक्षता की। द्वितीय सांस्कृतिक संध्या में इंडियन आईडल फेम अंकुश भारद्वाज मुख्य कलाकार रहे। द्वितीय सांस्कृतिक संध्या में हिमाचल के सुप्रसिद्ध कलाकार राजेश त्यागी, बीरबल किन्नौरा, अजु तोमर व अन्य हिमाचली कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया।

जोगिन्द्रा केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष कर्नल संजय शांडिल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिव कुमार व संजीव ठाकुर, हिमाचल प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य शोभित बहल, हिमाचल पथ परिवहन निगम के निदेशक बोर्ड के सदस्य अजय वर्मा, इंटक के रोहित ठाकुर, कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी सक्षम शर्मा, उपायुक्त एवं राज्य स्तरीय शूलिनी मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक तिरुमला राजू एस.डी. वर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन, नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता कापटा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में दर्शक इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

घुसपैठियों की पहचान

देश की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और संसाधनों की सुरक्षा के लिए अवैध घुसपैठ एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। इसी संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक बुलाकर घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाने की पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह कदम दर्शाता है कि केंद्र सरकार इस समस्या के समाधान को लेकर गंभीर और संकल्पबद्ध है।

वास्तव में घुसपैठियों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए लंबे समय से एक व्यापक और समन्वित अभियान की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब तक विभिन्न राज्य सरकारें और पुलिस बल अपने-अपने स्तर पर अभियान चलाते रहे हैं, लेकिन इन अभियानों का अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका। इसका प्रमुख कारण यह रहा कि जब किसी एक राज्य में कार्रवाई शुरू होती थी, तो घुसपैठिए दूसरे राज्यों में जाकर छिप जाते थे। परिणामस्वरूप समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। ऐसे में पूरे देश में एक साथ और एक समान रणनीति के तहत अभियान चलाना समय की मांग है।

देश में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों की सटीक संख्या का अनुमान लगाना कठिन है, लेकिन यह सर्वविदित है कि उनकी संख्या कम नहीं है। विशेष रूप से बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या समुदाय के अवैध प्रवासियों की मौजूदगी देश के कई राज्यों और शहरों में देखी जा सकती है। इनमें से अनेक लोग वर्षों से भारत में रह रहे हैं और उन्होंने विभिन्न माध्यमों से पहचान पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड तथा अन्य दस्तावेज भी प्राप्त कर लिए हैं।

कुछ क्षेत्रों में तो वे मतदाता सूची में शामिल होकर मतदान भी कर रहे हैं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। इससे न केवल सरकारी संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं।

घुसपैठ की समस्या कोई नई नहीं है। दशकों से भारत की सीमाओं से अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आती रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस समस्या से निपटने के लिए लंबे समय तक कोई व्यापक और प्रभावी नीति नहीं बनाई गई। परिणामस्वरूप सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक घुसपैठियों का नेटवर्क फैलता चला गया। विशेषज्ञों का मानना है कि अवैध घुसपैठ केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं होती, बल्कि इसके पीछे संगठित गिरोह सक्रिय रहते हैं। ये गिरोह लोगों को अवैध रूप से सीमा पार करवाने, उन्हें नकली दस्तावेज उपलब्ध कराने और देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने का कार्य करते हैं। इसलिए केवल घुसपैठियों की पहचान करना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि इन नेटवर्कों और गिरोहों को भी समाप्त करना होगा।

इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। सभी राज्यों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर सहयोग करना चाहिए। यदि किसी राज्य का प्रशासन उदासीन रहता है, तो पूरे अभियान की प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि सभी राज्य सरकारें, पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसियां मिलकर कार्य करें और सूचना साझा करने की एक मजबूत प्रणाली विकसित करें।

घुसपैठ केवल आर्थिक बोझ का विषय नहीं है। यह सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चिंताओं से भी जुड़ा हुआ है। सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में जनसंख्या के स्वरूप में तेजी से होने वाले बदलाव सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों के रोजगार, संसाधनों और अवसरों पर दबाव बढ़ने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके अतिरिक्त कुछ मामलों में अवैध रूप से रह रहे लोगों की गतिविधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरे के रूप में भी देखा गया है। हालांकि यह आवश्यक है कि किसी भी कार्रवाई में कानून का पालन हो और प्रत्येक व्यक्ति के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

घुसपैठ की समस्या का स्थायी समाधान केवल पहचान और निर्वासन तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए सीमाओं की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाना होगा। आधुनिक तकनीक, निगरानी तंत्र, सीमा बाड़, ड्रोन और डिजिटल निगरानी जैसे उपायों का व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही सीमा सुरक्षा बलों को आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराना भी जरूरी है। यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं किया गया, तो घुसपैठ की समस्या बार-बार सामने आती रहेगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि घुसपैठियों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई राष्ट्रीय हित से जुड़ा विषय है। इसके लिए एक सुनियोजित, पारदर्शी और कानूनसम्मत अभियान की आवश्यकता है। केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता तथा सीमाओं की मजबूत सुरक्षा के माध्यम से ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है। राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि इस दिशा में उठाए गए कदम निरंतर और दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाए जाएं।

स्वार्थी लोग बहुत घातक

यह दुनिया मतलब की है। यहां हर रिश्ते के पीछे कोई न कोई वजह होती है। कोई वजह खून की है, कोई दिल की, और कोई सिर्फ जरूरत की। तकलीफ तब होती है जब हम जरूरत को मोहब्बत समझ लेते हैं। मतलब को रिश्ता मान लेते हैं। फिर टूटते हैं, बिखरते हैं। क्योंकि मतलब की उम्र यादा नहीं होती। काम निकल गया तो रिश्ता खत्म। उसके बाद आप कितना भी पुकारो, कोई पलटकर नहीं देखता। उसकी गाड़ी निकल चुकी, अब आप सिर्फ स्टेशन हो। और गाड़ी स्टेशन के लिए नहीं रुकती। यही कड़वा सच है। इसी सच को जिसने जितनी जल्दी समझ लिया, वह उतना ही कम रोया।

स्वार्थी इंसान शिकारी से भी खतरनाक होता है। शिकारी कम से कम बंदूक दिखाकर आता है। खतरा साफ दिखता है। स्वार्थी फूल लेकर आता है, हमदर्दी का नकाब पहनकर। मीठी बातें करता है, आंखों में आंसू लाकर भरोसा जीतता है। हम समझते हैं कि कोई अपना मिल गया। कोई दर्द बांटने वाला मिल गया। पर वह अपना नहीं, मौका तलाशने वाला होता है। वह आपकी कमजोरी नोट करता है, आपके राज समेटता है, आपकी जरूरतें गिनता है। और जैसे ही मौका मिला, नकाब उतर जाता है। असली चेहरा सामने आते ही पता चलता है कि हमने सांप को दूध पिलाया था। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दिल टूट चुका होता है, भरोसा मर चुका होता है।

स्वार्थ की सबसे बड़ी चाल यही है कि वह प्यार की बोली बोलता है। वह कभी नहीं कहेगा कि मुझे तुमसे काम है। वह कहेगा कि तुम्हारे बिना मेरा कुछ नहीं। वह कभी नहीं कहेगा कि तुम्हारी जगह चाहिए। वह कहेगा कि तुम इस लायक नहीं, मैं संभाल लूंगा। वह आपकी परवाह करेगा, पर वह परवाह आपकी नहीं, अपनी होगी। आप गिरे तो उसकी सीढ़ी टूटेगी, इसलिए वह आपको गिरने नहीं देगा। वह आपको उठाएगा, सहारा देगा, दुनिया को दिखाएगा कि देखो मैं कितना नेक हूं। पर यह नेकी नहीं, निवेश है। जिस दिन आपकी जरूरत खत्म, उसी दिन धक्का देने में भी नहीं हिचकेगा। और धक्का भी ऐसा देगा कि आप उठ न पाओ। फिर कहेगा, मैंने तो मदद की थी, तुम ही संभल नहीं पाए।

स्वार्थी लोग रिश्तों को दुकानदारी समझते हैं। उनके पास हर चीज का हिसाब-किताब होता है। उन्होंने कब आपको चाय पिलाई, कब आपका फोन उठाया, कब आपकी पोस्ट पर कमेंट किया, कब आपको जन्मदिन पर विश किया। सब डायरी में दर्ज है। तारीख, वक्त, गवाह सब लिखा है। वक्त आने पर सूद समेत वसूलेंगे। और वसूली का तरीका भी अलग होता है। कभी एहसान जताकर, कभी ताना मारकर, कभी सबके सामने बेइज्जत करके। अगर आपने हिसाब नहीं चुकाया तो आप बुरे हो गए। आप एहसान-फरामोश कहलाओगे। दुनिया को बताया जाएगा कि देखो हमने इसके लिए क्या-क्या किया और इसने हमें क्या दिया। जबकि सच्चा रिश्ता वह है जहां न कोई बही-खाता हो, न कोई लेन-देन। जहां सिर्फ देना हो, वो भी बिना जताए, बिना याद रखे। जहां दाएं हाथ को पता न चले कि बाएं हाथ ने क्या दिया।

घमंड स्वार्थ की कोख से ही पैदा होता है। जब स्वार्थी आदमी के पास थोड़ा पैसा, थोड़ी ताकत, थोड़ी शोहरत आ जाती है तो वह हवा में उड़ने लगता है। उसे लगता है कि दुनिया उसकी मुट्ठी में है। सूरज उसकी मर्जी से निकलता है, हवाएं उसका हुक्म मानती हैं। वह भूल जाता है कि उसने जो मंजिल पाई है, वह किसी के कंधे पर चढ़कर पाई है। किसी ने उसे उठाया था, किसी ने उसे धक्का दिया था, किसी ने अपना हक छोड़कर उसे आगे किया था। पर घमंड की आंख पर पट्टी बंधी होती है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

उसे सिर्फ अपनी कामयाबी दिखती है, दूसरों का त्याग नहीं। जिस दिन वह कंधा खिसका, उसी दिन जमीन पर आ गिरेगा। और गिरने की आवाज बहुत दूर तक जाती है। तब सबसे यादा खुश वही लोग होते हैं जो कल तक उसकी जय-जयकार कर रहे थे। क्योंकि दुनिया को गिरे हुए लोगों का तमाशा देखने में मजा आता है। खासकर उन लोगों को जिन्हें आपने कभी नीचा दिखाया हो, जिनका मजाक उड़ाया हो।

इतिहास गवाह है। कितने अफसर कुर्सी के लिए बिक गए, फिर जेल में सड़ रहे हैं। कितने नेता वोट के लिए झूठे वादे कर गए, फिर जनता ने ही नकार दिया। कितने दोस्त पैसे के लिए दोस्त को डस गए, फिर अकेले मर गए। स्वार्थ की इमारत कितनी भी ऊंची क्यों न हो, उसकी नींव रेत पर होती है। एक झटका, और सब मिट्टी में मिल जाता है। स्वार्थी बनना आसान है। उसके लिए कोई डिग्री नहीं चाहिए, कोई तपस्या नहीं चाहिए। बस सुबह से शाम तक मैं, मेरा, मुझे करना पड़ता है। मेरी तरक्की, मेरा फायदा, मेरा नाम। बस। इंसान बने रहना मुश्किल है। उसके लिए रोज अपने आप से लड़ना पड़ता है। अपने लालच से, अपने घमंड से, अपने अंदर के मैं से। मैं बहुत जहरीला शब्द है। यह अकेला आता है, पर पूरे कुनबे को निगल जाता है। पहले हम को मारता है, फिर तुम को, और आखिर में खुद मैं को भी नहीं बख्शता। क्योंकि मैं में कोई साथ नहीं होता। और जो अकेला है, वह एक दिन टूटता जरूर है।

कड़वा सच यह है कि हम सबके अंदर कहीं न कहीं स्वार्थ छुपा बैठा है। फर्क सिर्फ इतना है कि किसी का स्वार्थ जागा हुआ है, किसी का सोया हुआ। जब हम मदद इसलिए करते हैं ताकि लोग हमें अच्छा कहें, वह स्वार्थ है। जब हम रिश्ता इसलिए निभाते हैं ताकि बुरे वक्त में काम आ जाए, वह स्वार्थ है। जब हम माफी इसलिए मांगते हैं ताकि झगड़ा खत्म हो जाए, न कि इसलिए कि हमें अपनी गलती का एहसास है, वह भी स्वार्थ है। जब हम दान इसलिए देते हैं ताकि फोटो अखबार में छपे, वह भी स्वार्थ है। ये सब स्वार्थ के ही छोटे-छोटे रूप हैं। और बूंद-बूंद से ही समंदर बनता है। आज जो छोटा स्वार्थ है, कल वही बड़ा घातक बन जाएगा।

फिर बचना कैसे है? इसका कोई स्कूल नहीं, कोई कोर्स नहीं। बस एक आदत डालनी पड़ती है। रोज रात को सोने से पहले खुद से तीन सवाल पूछो। पहला, क्या आज मैंने किसी का दिल दुखाया अपने फायदे के लिए? दूसरा, क्या आज मैंने किसी के भरोसे का सौदा किया? तीसरा, क्या आज मैंने मैं को हम से बड़ा होने दिया? अगर इनमें से एक का भी जवाब हां है, तो समझो खतरे की घंटी बज गई। सुबह उठते ही उसे सुधारो। माफी मांगो, गलती मानो, हक लौटाओ। क्योंकि जो गलती आज छोटी लगती है, वही कल नासूर बन जाती है। जो बोओगे, वही काटोगे। यह सिर्फ कहावत नहीं, कुदरत का कानून है। कांटे बोओगे तो फूल नहीं मिलेंगे। नफरत बोओगे तो मोहब्बत नहीं मिलेगी। दूसरों को सीढ़ी बनाकर फेंकोगे तो एक दिन खुद भी फेंके जाओगे।

किसी के घर में आग लगाओगे तो उसकी लपट तुम्हारे दामन तक जरूर आएगी। किसी की आह लोगे तो वह तुम्हारी नींद उड़ा देगी। यह दुनिया गोल है। यहां सब कुछ लौटकर आता है। आज नहीं तो कल, पर आता जरूर है। देर हो सकती है, अंधेर नहीं। इसलिए स्वार्थी लोगों से डरो मत, उन्हें पहचानो। उनकी मीठी बातों में मत आओ। उनके आंसुओं पर मत पिघलो। उनसे कोई उम्मीद मत रखो। उन पर अपनी जिंदगी की किताब का आखिरी पन्ना मत छोड़ो, वरना वो फाड़ देंगे। अपना कलम अपने हाथ में रखो। अपनी कहानी खुद लिखो। और लिखते वक्त यह ध्यान रखो कि तुम्हारी कहानी पढ़कर कोई यह न कहे कि तुमने किसी का इस्तेमाल किया। कोशिश करो कि तुम्हारी कहानी में कोई खलनायक न हो। न तुम, न कोई दूसरा।

एक बात गांठ बांध लो। इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक वो जो आते हैं, लेते हैं और चले जाते हैं। दूसरे वो जो आते हैं, देते हैं और याद रह जाते हैं। तय तुम्हें करना है कि तुम कौन बनना चाहते हो। लेने वाले के पास सब कुछ होता है, पर सुकून नहीं होता। देने वाले के पास शायद कुछ कम हो, पर उसकी नींद गहरी होती है। उसके जाने के बाद भी लोग उसे याद करते हैं, उसकी मिसाल देते हैं।

क्योंकि आखिर में वही तालियां याद रहती हैं जो दिल से बजाई गई हों। बाकी सब सिर्फ शोर है। और शोर को कोई याद नहीं रखता। कुर्सी चली जाती है, पैसा खत्म हो जाता है, शोहरत उतर जाती है। रह जाती है तो सिर्फ बात। और बात वही अच्छी है जिसमें कोई मतलब न हो, सिर्फ अपनापन हो। वही रिश्ता सच्चा है, वही इंसान बड़ा है। वही जिंदा है जो दूसरों के दिलों में जिंदा है। बाकी सब तो चलते-फिरते मुर्दे हैं।

कंटोला, ककोड़ा या मीठा करेला बरसात के मौसम की एक ताकतवर और पौष्टिक सब्जी

जिसे वैज्ञानिक रूप से Momordica dioica कहा जाता है। करेले की प्रजाति का होने के बावजूद यह कड़वा नहीं होता, बल्कि इसका स्वाद थोड़ा मीठा और सौम्य होता है। यह मुख्य रूप से मानसून के मौसम में मिलने वाली बेहद पौष्टिक मौसमी सब्जी है।

कंटोला के पोषक तत्व-

कंटोला के पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें बहुत सारा विटामिन सी, एल्कलाइड, फ्लेवोनॉयड, ग्लाइकोसाइड अमीनो एसिड जिंक, पोटेशियम, फास्फोरस और सोडियम पाए जाते हैं जो अलग-अलग स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के इलाज में मदद करते हैं।

कंटोला (ककोड़ा) की बेल एक तेजी से फैलने वाली लता होती है, जिसमें 3-5 पालियों वाले गहरे हरे पत्ते और 5 पंखुड़ियों वाले चमकीले पीले फूल आते हैं। इस पौधे में नर और मादा फूल अलग-अलग बेलों पर लगते हैं, इसलिए फल प्राप्त करने के लिए दोनों बेलों का होना जरूरी है।

बेल - यह एक आरोही बेल है जो 5 से 10 मीटर तक लंबी हो सकती है। इसे ऊपर चढ़ने के लिए सहारे (मचान या जाली) की आवश्यकता होती है।

कंटोली की सब्जी से मिलने वाले फायदे

1.डायबिटीज के मरीजों के लिए कंटोला फायदेमंद साबित हो सकता है। क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है, जो शुगर लेवल को कम करता है.इसमें मौजूद पॉलिपेप्टाइड पी शरीर में मौजूद अतिरिक्त शुगर के लेवल को भी कम करने में मदद करते हैं। इसमें इंसुलिन बढ़ाने की भी क्षमता होती है यह अचानक से शुगर स्पाइक को भी रोकता है और पाचन को भी सही रखता है।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास

2.अगर आप अपना वजन घटा रहे हैं तो अपने डाइट में कंटोला की सब्जी जरूर शामिल करें। यह आपकी अच्छी मदद कर सकती है। इसमें कैलोरी कम होती है और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे जल्दी भूख नहीं लगती और आपका वजन कंट्रोल होता है।

3.कंटोला में पोटेशियम की मात्रा भी सही होती है। इस वजह से यह सब्जी ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

4.कंटोला में ल्यूटीन पाया जाता है जिसकी मदद से कैंसर के साथ दिल की समस्या से भी बचाव किया जा सकता है इसमें विटामिन सी की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो शरीर से टॉक्सिन पदार्थों को बाहर निकालता है।

5.कंटोला की सब्जी मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद कर सकती है। इसके सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है.सर्दी जुकाम खांसी और गले में दर्द नहीं होता है।

6.स्किन को हेल्दी रखने में भी कंट्रोलर काफी फायदेमंद है इसमें beta-carotene ल्यूटीनजैसे अलग-अलग फ्लेवोनॉयड होते हैं। यह स्किन के लिए प्रोटेक्टिव कवर की तरह काम करते हैं. इसके सेवन से स्किन में ग्लो आता है।

कंटोला/ मीठे करले बनाने का तरीका - हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी इलाकों में इसकी सूखी सब्जी बहुत चाव से खाई जाती है- कंटोला को अच्छे से धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें (छीलने की आवश्यकता नहीं है)। कढ़ाई में तेल गरम करें, हींग और जीरा का तड़का लगाएं। प्याज, अदरक और हरी मिर्च डालकर भूनें। कटे हुए कंटोला डालें और हल्दी, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, लाल मिर्च व स्वादानुसार नमक मिलाएं।अंत में अमचूर पाउडर डालकर धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक यह क्रिस्पी न हो जाए।

ग्रेवी वाली सब्जी बनाने की विधि- कंटोला को भूनना-एक कढ़ाई में 2 चम्मच तेल गरम करें। इसमें कटे हुए कंटोला के टुकड़ों को डालें और 5-7 मिनट तक मध्यम आंच पर तब तक भूनें जब तक ये हल्के भूरे और 70% तक नरम न हो जाएं।इन्हें अलग प्लेट में निकाल लें।

मसाला तैयार करना- बची हुई कढ़ाई में थोड़ा और तेल डालें। राई और जीरा का तड़का लगाएं।इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

ग्रेवी पकाना- अब हल्दी, धनिया, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें।मसाले जले नहीं, इसलिए 1-2 चम्मच पानी डालें। इसके बाद पिसे हुए टमाटर डालें और तब तक पकाएं जब तक मसालों से तेल अलग न होने लगे।

सब्जी को पूरा करना- अब भुने हुए कंटोला को ग्रेवी में अच्छी तरह मिलाएं। आवश्यकतानुसार आधा कप पानी डालकर लटपटी ग्रेवी बनाएं।ढककर 5 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें।

अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर मिलाएं।आपकी स्वादिष्ट और पौष्टिक कंटोला की ग्रेवी वाली सब्जी तैयार है। कंटोला/ मीठा करेला पोषक तत्वों का खजाना है।इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, आयरन, विटामिन (विशेषकर विटामिन B12) और फाइबर पाया जाता है। बरसात के मौसम में इसकी सब्जी हफ्ते में दो बार जरूर खाएं। और मौसमी एलर्जी से मुक्ति पाएं। आजकल ये सब्जी बाजार में 120 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है।

ईएसएमए और एचआरटीसी: टकराव की नई तस्वीर

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य की सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के कर्मचारियों पर छह माह के लिए आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (ईएसएमए) लागू कर दिया है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब एचआरटीसी कर्मचारियों के एक वर्ग ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने का ऐलान किया था। सरकार ने न केवल हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया है, बल्कि कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द करते हुए उन्हें निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि इससे एक ओर आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है तो दूसरी ओर कर्मचारियों के अधिकारों और उनकी मांगों को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में एचआरटीसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश के अनेक दुर्गम क्षेत्रों में आज भी निजी परिवहन की सुविधा पर्याप्त नहीं है। ऐसे में एचआरटीसी की बसें ही लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक कार्यों तक पहुंचने का मुख्य साधन हैं। हजारों विद्यार्थी प्रतिदिन स्कूल और कॉलेज जाने के लिए इन बसों का उपयोग करते हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी भी अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने के लिए एचआरटीसी सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। इसके अलावा मरीजों, बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए भी यह सेवा किसी जीवनरेखा से कम नहीं है। यदि हड़ताल के कारण बस सेवाएं ठप पड़ जातीं, तो इसका सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ता।

ईएसएमए अर्थात आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम का उद्देश्य उन सेवाओं को बाधित होने से बचाना है, जो समाज और जनजीवन के लिए अत्यंत आवश्यक होती हैं। इस कानून के तहत सरकार किसी सेवा को आवश्यक घोषित कर उससे जुड़े कर्मचारियों की हड़ताल पर निश्चित अवधि तक रोक लगा सकती है। यदि कोई कर्मचारी आदेश की अवहेलना करते हुए हड़ताल करता है या कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो उसके विरुद्ध विभागीय तथा कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सरकार का तर्क है कि सार्वजनिक परिवहन एक आवश्यक सेवा है और इसे किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होने दिया जा सकता।

सरकार के इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव आम जनता पर दिखाई देगा। हड़ताल की स्थिति में प्रदेशभर में लाखों यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता था। दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यात्रा करना कठिन हो जाता। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती और प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता। मरीजों के लिए समय पर अस्पताल पहुंचना चुनौती बन सकता था। इसके अतिरिक्त पर्यटन गतिविधियां भी प्रभावित होतीं, क्योंकि हर वर्ष लाखों पर्यटक हिमाचल प्रदेश आते हैं और उनमें से बड़ी संख्या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करती है। ईएसएमए लागू होने से इन संभावित समस्याओं को काफी हद तक टाला जा सकेगा।

हालांकि, इस फैसले का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। वेतन विसंगतियां, भत्तों का भुगतान, सेवा शर्तों में सुधार और कार्य परिस्थितियों से जुड़े मुद्दों पर कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं निकल पाया। ऐसे में हड़ताल उनके लिए अपनी बात सरकार तक पहुंचाने का एक लोकतांत्रिक माध्यम बन गई थी। ईएसएमए लागू होने के बाद कर्मचारियों के लिए विरोध दर्ज कराने के विकल्प सीमित हो गए हैं। इससे उनमें असंतोष की भावना बढ़ सकती है।

लोकतंत्र में कर्मचारियों को अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार प्राप्त है। हालांकि यह अधिकार असीमित नहीं होता और जनहित को ध्यान में रखते हुए उस पर कुछ परिस्थितियों में प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। यही कारण है कि ईएसएमए जैसे कानून बनाए गए हैं। लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह ऐसे कानूनों का प्रयोग अंतिम विकल्प के रूप में करे और उससे पहले संवाद तथा बातचीत के माध्यम से समाधान खोजने का प्रयास करे। यदि कर्मचारियों को यह महसूस होता है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है, तो इससे प्रशासन और कर्मचारियों के बीच विश्वास की कमी पैदा हो सकती है।

एचआरटीसी पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। निगम की वित्तीय स्थिति, बढ़ते परिचालन व्यय और कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दे

विशाल कल्याण

समय-समय पर चर्चा का विषय रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों की नाराजगी और सरकार की सख्ती, दोनों ही परिस्थितियां भविष्य में परिवहन व्यवस्था पर असर डाल सकती हैं। यदि कर्मचारियों की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो ईएसएमए की अवधि समाप्त होने के बाद विवाद फिर से उभर सकता है। इसलिए केवल प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि मूल कारणों को दूर करना भी आवश्यक है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस पूरे मामले में संवाद ही सबसे प्रभावी रास्ता हो सकता है। सरकार को कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकर उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और जो मांगें उचित हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। वहीं कर्मचारी संगठनों को भी यह समझना होगा कि उनकी किसी भी कार्रवाई से आम जनता को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। सार्वजनिक हित और कर्मचारियों के हितों के बीच संतुलन बनाना ही इस समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किसी भी राज्य की प्रगति उसकी सार्वजनिक सेवाओं की मजबूती पर निर्भर करती है। परिवहन व्यवस्था न केवल लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करती है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करती है। हिमाचल प्रदेश जैसे पर्यटन और कृषि प्रधान राज्य में सार्वजनिक परिवहन की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए इसकी निरंतरता बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन साथ ही उन कर्मचारियों का मनोबल बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है, जो कठिन परिस्थितियों में इन सेवाओं का संचालन करते हैं।

अंततः, एचआरटीसी कर्मचारियों पर छह माह के लिए ईएसएमए लागू करने का निर्णय जनहित को ध्यान में रखकर लिया गया एक सख्त प्रशासनिक कदम माना जा सकता है। इससे प्रदेश की बस सेवाओं के सुचारु संचालन और आम जनता को राहत मिलने की संभावना है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी जायज मांगों की अनदेखी करके स्थायी समाधान नहीं खोजा जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि सरकार जनहित की रक्षा करते हुए कर्मचारियों की आवाज भी सुने और संवाद के माध्यम से रास्ता निकाले।

जनता की सुविधा और कर्मचारियों के अधिकार, दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। आवश्यकता इस बात की है कि टकराव की स्थिति को टालते हुए सहयोग, संवेदनशीलता और आपसी विश्वास के आधार पर समाधान खोजा जाए। यदि ऐसा होता है, तो न केवल एचआरटीसी की कार्यप्रणाली मजबूत होगी, बल्कि हिमाचल प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बन सकेगी। यही इस पूरे घटनाक्रम से मिलने वाला सबसे बड़ा संदेश भी है।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, एक्टिवा चोर गिरफ्तार, 7 चोरी की एक्टिवा बरामद

चंडीगढ़, 28 जून 2026 (पुनीत महाजन)– चंडीगढ़ पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर एक्टिवा चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई सात एक्टिवा बरामद की हैं।

एसएसपी यूटी, चंडीगढ़ के निर्देशों तथा एसपी सिटी के मार्गदर्शन में एसडीपीओ साउथ गुरजीत कौर और थाना प्रभारी सेक्टर–34 इंस्पेक्टर शादीलाल की निगरानी में थाना सेक्टर–34 की टीम ने यह सफलता हासिल की। पुलिस टीम में एएसआई गुरप्रीत सिंह, हेड कांस्टेबल मनविंदर सिंह, सीनियर कांस्टेबल समरजीत तथा कांस्टेबल अभिमन्यु शामिल थे। पुलिस ने आरोपी लोकेश उर्फ बबलू पुत्र सीता राम, निवासी मकान नंबर 316/बी, धनास कॉलोनी, चंडीगढ़, उम्र 43 वर्ष को गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी ई–एफआईआर नंबर 1332 दिनांक 23 अक्टूबर 2025, धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस, थाना सेक्टर–34 के मामले में की गई।

पूछताछ के दौरान आरोपी के कब्जे से कुल सात चोरी की एक्टिवा बरामद की गईं, जिनमें से कई वाहन सेक्टर–34, सेक्टर–46, सेक्टर–27, आईटी पार्क और मलोया कॉलोनी सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से चोरी किए गए थे। मामले की जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता सुनील कुमार ने अपनी एक्टिवा सेक्टर–45 स्थित घर के बाहर खड़ी की थी, जो अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने 26 जून 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर पहले एक एक्टिवा बरामद की। इसके बाद पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी ने छह अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा किया, जिनके आधार पर अन्य एक्टिवा भी बरामद कर ली गईं।

आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चंडीगढ़ पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी किसी बड़े वाहन चोरी गिरोह से जुड़ा हुआ है या नहीं।

बाल रामलीला एवं दशहरा कमेटी ने सेक्टर-35 और सेक्टर-43 में लगाई शीतल छबील, श्रद्धालुओं को बांटी ठंडक और सेवा की मिसाल

चंडीगढ़, 28 जून 2026 (पुनीत महाजन) – भीषण गर्मी के बीच समाज सेवा और मानवता का संदेश देते हुए बाल रामलीला एवं दशहरा कमेटी, सेक्टर–43, चंडीगढ़ द्वारा सेक्टर–35 एवं सेक्टर–43 की मुख्य सड़कों पर भव्य शीतल छबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राहगीरों और श्रद्धालुओं को दूध, लस्सी, शरबत सहित विभिन्न शीतल पेय पदार्थ नि:शुल्क वितरित किए गए।

छबील का शुभारंभ आज प्रात: 10◌30 बजे स्थानीय काउंसलर प्रेमलता जी द्वारा किया गया। उन्होंने कमेटी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा साहिब सेक्टर–43 की अध्यक्षा मंजीत कौर, रामलीला एवं दशहरा कमेटी सेक्टर–43 के चेयरमैन राजेश राय, प्रधान पीयूष बहल, अंकित, लता, हरप्रीत कौर, रवींद्र कौर, लोकेश चोपड़ा, सनी कुमार, अभिषेक, सचिन और कबीर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा सेक्टर–35 एवं सेक्टर–43 के बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और स्थानीय निवासियों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा सेवा कार्य में बढ़–चढ़कर सहयोग दिया।

सरपंच को झूठे रेप केस में फंसाने की साजिश नाकाम, महिला को मोहरा बनाकर शिकायत कराने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़(पुनीत महाजन) – बलौदाबाजार, छत्तीसगढ़। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के थाना कसडोल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कटगी के सरपंच एवं एक जनपद सदस्य को झूठे बलात्कार के मामले में फंसाने की साजिश रचने वाले पांच आरोपियों को कसडोल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने एक युवती को मोहरा बनाकर सरपंच और जनपद सदस्य के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराने की योजना बनाई थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि कटगी निवासी हिस्ट्रीशीटर भागवत थवाईत, दीपक थवाईत, शिवा चेलक सहित अन्य दो आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से झूठी शिकायत तैयार कर क्षेत्र में भ्रम और तनाव का माहौल पैदा करने का प्रयास किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कसडोल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों का कसडोल अस्पताल में चिकित्सीय परीक्षण (मुलाहिजा) कराया गया, जिसके बाद रविवार को उन्हें बलौदाबाजार न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इस कथित हनीट्रैप जैसी साजिश के खुलासे के बाद क्षेत्र में पुलिस की सराहना हो रही है। झूठे मामले में फंसाए जाने की कोशिश का शिकार बने जनपद सदस्य अंजीव जायसवाल और उनके परिवार ने कसडोल पुलिस एवं मीडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय रहते सच्चाई सामने आने से उन्हें बड़ी कानूनी और सामाजिक परेशानी से बचा लिया गया।

पंजाब में भाजपा को मजबूती, AAP सहित कई दलों के नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

नायब सैनी बोले, मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए कई नेता

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

28 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से आम आदमी पार्टी सहित कई विपक्षी दलों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि ये लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, भाजपा की नीतियों और राष्ट्रहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं इंद्री से विधायक रामकुमार कश्यप के साथ पटियाला लैंड मॉर्गेज बैंक के प्रधान हरप्रीत चट्ठा, पटियाला सब्ज़ी मंडी एवं आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान अमनदीप कंबोज सहित विभिन्न विपक्षी दलों के पदाधिकारी, दो दर्जन से अधिक सरपंच, पंच और पूर्व सरपंच भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने सभी नए सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में उनका सम्मान और योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नए सदस्य राष्ट्रहित, जनसेवा और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कार्य करेंगे तथा भाजपा की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। सैनी ने कहा कि पंजाब में भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और विभिन्न वर्गों का पार्टी के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकासोन्मुखी नीतियों के कारण लोगों का समर्थन भाजपा को मिल रहा है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए कार्यकर्ताओं और नेताओं के जुड़ने से पंजाब में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा भविष्य में भाजपा को राज्य में नई राजनीतिक ऊर्जा प्राप्त होगी।

लीवर कैंसर के उपचार में नई तकनीकों और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर अमृतसर में विशेषज्ञों ने की चर्चा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

28 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ हेल्थकेयर एंड एकेडमिक्स फाउंडेशन (CHAF), मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोहाली तथा अमृतसर गैस्ट्रो साइंसेज फोरम (त्रस्न) के संयुक्त तत्वावधान में 26 जून 2026 को होटल ताज स्वर्णा, अमृतसर में हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा (एचसीसी) के प्रबंधन में हालिया प्रगति विषय पर एक शैक्षणिक बैठक का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोहाली के प्रिंसिपल कंसल्टेंट – इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, डॉ. तेगबीर सिंह सिद्धू ने वैज्ञानिक सत्र को संबोधित करते हुए हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा (एचसीसी), जो लीवर के प्रमुख कैंसरों में से एक है, के निदान और उपचार में नवीनतम प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. सिद्धू ने इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, इमेज–गाइडेड मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं, टार्गेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी तथा बहु–विषयक (मल्टीडिसिप्लिनरी) दृष्टिकोण की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ट्रांसआर्टेरियल रेडियोएम्बोलाइजेशन (टीएआरई) जैसी उन्नत लीवर–निर्देशित चिकित्सा पद्धति के बारे में भी जानकारी दी, जो चयनित लीवर कैंसर रोगियों के लिए प्रभावी उपचार विकल्प के रूप में उभर रही है। उन्होंने इसके चिकित्सीय लाभ, रोगियों के चयन और एचसीसी के समग्र प्रबंधन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।

इस शैक्षणिक कार्यक्रम में अमृतसर एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, चिकित्सक, सर्जन, ऑन्कोलॉजिस्ट और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा बदलती उपचार रणनीतियों और व्यावहारिक चिकित्सीय अनुभवों पर विचार–विमर्श किया।

कार्यक्रम की मेजबानी अमृतसर गैस्ट्रो साइंसेज फोरम (त्रस्न) द्वारा की गई। फोरम के अध्यक्ष डॉ. जगदीप सिंह और सचिव डॉ. जे.एस. सिद्धू के नेतृत्व और प्रयासों से इस शैक्षणिक पहल के लिए विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

सत्र के दौरान डॉ. तेगबीर सिंह सिद्धू ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में उन्नत इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी तकनीकों और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समावेश से हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के उपचार में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। इस प्रकार के शैक्षणिक मंच चिकित्सकों को ज्ञान साझा करने, जटिल मामलों पर चर्चा करने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र और विशेषज्ञों के बीच नेटवर्किंग के साथ हुआ। इस अवसर पर चंडीगढ़ हेल्थकेयर एंड एकेडमिक्स फाउंडेशन (ष्ट्रस्न), मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मोहाली और अमृतसर गैस्ट्रो साइंसेज फोरम (त्रस्न) ने निरंतर चिकित्सकीय शिक्षा और सहयोगात्मक चिकित्सा अभ्यास के माध्यम से लीवर कैंसर के उपचार को और सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सेक्टर-42 में नि:शुल्क मेडिकल चेक-अप एवं लंग हेल्थ कैंप का आयोजन

सैंकड़ों लोगों ने हेल्थ कैंप का उठाया लाभ

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

28 जून (पुनीत महाजन)

मानव कल्याण परिसर, रोटरी क्लब चंडीगढ़ तथा डीवी केयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सेक्टर–42 स्थित कम्युनिटी सेंटर, चंडीगढ़ में नि:शुल्क मेडिकल चेक–अप एवं लंग हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप का उद्घाटन रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सरदार परमजीत सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद एवं पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर जसबीर सिंह बंटी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लेकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई और हेल्थ कैम्प का लाभ उठाया।

कैंप में शुगर टेस्ट, ब्लड प्रेशर, नेत्र जांच, दंत जांच, ईसीजी, फिजियोथेरेपी, नेचुरोपैथी तथा कम्प्यूटरीकृत लंग फंक्शन टेस्ट सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क प्रदान की गईं। शाल्बी मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, मोहाली के पल्मोनोलॉजी, एलर्जी एवं स्लीप मेडिसिन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश गोयल और उनकी टीम ने लोगों की फेफड़ों की क्षमता की जांच कर विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया।

इसके अलावा अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, त्वचा रोग, ईएनटी, होम्योपैथी, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, स्त्री रोग एवं फिजियोथेरेपी संबंधी परामर्श भी दिया। जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क दवाइयों एवं चश्मों का वितरण भी किया गया।

मानव कल्याण परिसर की ओर से उपस्थित लोगों के लिए ठंडे जल की छबील भी लगाई गई। स्थानीय निवासियों ने एक ही छत के नीचे विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आयोजकों की सराहना की और मानव कल्याण परिसर का आभार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि जसबीर सिंह बंटी का भी धन्यवाद किया।

इस अवसर पर राजकुमार शर्मा, गोयल प्रधान सनातन धर्म मंदिर तथा कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मानव कल्याण परिसर के धर्मपाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सडक़ हादसे में घायल 2 व्यक्तियों की मदद की

» प्रथम न्यूज । लाडवा

28 जून (बृज मोहन)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सडक़ हादसे में घायल दो युवकों की मदद की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा–बाबैन मार्ग पर रास्ते में दो मोटरसाइकिल सवार युवक दुर्घटनाग्रस्त मिले तो मुख्यमंत्री ने तुरंत अपना काफिला रुकवाकर घायलों को अपने काफिले के साथ चल रही एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने घायलों के साथ बातचीत कर उनका हाल भी जाना। इस दौरान राजनैतिक सचिव तरुण भंडारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नजर पड़ते ही उन्होंने तुरंत अपना वाहन रुकवाया और स्वयं गाड़ी से उतरकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल अपने सुरक्षा कर्मियों और निजी चिकित्सक को घायलों को प्राथमिक उपचार देने के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने काफिले में चल रही एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस से दोनों घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सडक़ पर किसी को भी घायल अवस्था में देखना पीड़ादायक है। एक जनप्रतिनिधि होने के नाते ही नहीं, एक इंसान होने के नाते भी हमारा पहला कर्तव्य है कि हम जरूरतमंद की मदद करें। सरकार द्वारा सभी विधायकों, सांसदों और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने काफिले के साथ हमेशा एंबुलेंस रखें ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से भी अपील की कि सडक़ हादसा होने पर गोल्डन ऑवर में घायल को अस्पताल पहुंचाना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सुरक्षित सडक़ नीति के तहत घायल की मदद करने वाले व्यक्ति को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

मोटरसाइकिल हादसे का शिकार होने वालों की पहचान अमित उम्र 27 निवासी गांव बीड़ कलवा व रजत कुमार 30 वर्ष निवासी गांव सूरजगढ़ के रूप में हुई, जिनका इलाज सीएचसी शाहबाद में चल रहा है।

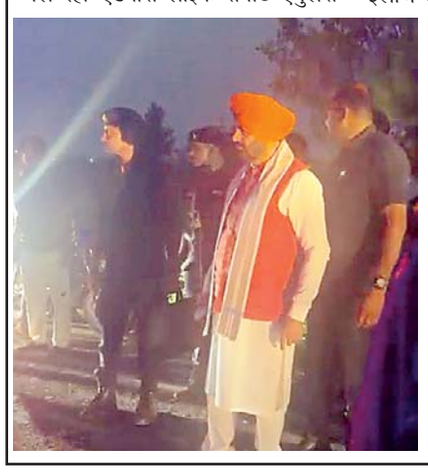

श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी बने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरूणाय में बांटी मिठाई

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

28 जून (मुकेश डोलिया)

श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी को एक बार फिर से बहुमत के साथ अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। इससे श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है। उनके निर्वाचन पर श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरूणाय में सचिव महंत विश्वनाथ गिरी के सानिध्य में कार्यक्रम हुआ। संगमेश्वर मंदिर सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि श्रीमहंत रविंद्र पुरी के अध्यक्ष चुने जाने की खुशी में श्रद्धालुओं ने ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर लड्डू बांटे।

महंत विश्वनाथ गिरी ने कहा कि श्रीमहंत रविंद्र पुरी की अध्यक्षता में अखाड़ा परिषद आगामी हरिद्वार कुंभ की तैयारी में एकजुटता के साथ काम करेगा और उन्हें पूरा विश्वास है कि संत समाज के हितों से जुड़े विषयों को हल कराने में सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी। इसके साथ–साथ अर्ध कुंभ और कुंभ सहित विभिन्न विषयों पर भी जल्द ही अखाड़ा परिषद अध्यक्ष के नेतृत्व में आगामी व्यवस्थाओं पर सभी से बातचीत करके चर्चा की जाएगी। सेवादल प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि आठ अखाड़ों के प्रमुखों की बैठक में श्रीमहंत रविंद्र पुरी को यह दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया है। उन्हीं के सानिध्य में श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय की व्यवस्था का संचालन भी धर्म के प्रचार प्रसार और जन सेवा के लिए किया जा रहा है। उन्हें चुने जाने सेश्रद्धालुओं में बेहद खुशी का माहौल है। इस अवसर पर महंत धीरज पुरी, दिगंबर हरिओम गिरी, सेवादल प्रधान रमणीक सिंगला, पंडित शंभू दत गौतम, पंडित सतीश शास्त्री, ऋषि राम, केशव गौतम, वंश गौतम, लाभ कश्यप सहित सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने खुशी जताई ।

बीएलओ ने घर-घर जाकर वितरित किए 96 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्म : विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

28 जून (बृज मोहन)

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिले में 96 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्म वितरित किए जा चुके है। इन फार्मों को एकत्रित करने में अब बीएलए अपना योगदान देंगे। इस कार्य में एक बीएल प्रतिदिन 50 फार्म बीएलओ के पास जमा करवा सकता है। अब इन फार्मों को डिजिटाइज करने का कार्य शुरू कर दिया है। अहम पहलू यह है कि कुरुक्षेत्र जिले में अब तक 15 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्म को डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। जिसमें लाडवा विधानसभा में 19 प्रतिशत, शाहबाद विधानसभा में 27 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 5 प्रतिशत व पिहोवा में 10 प्रतिशत एम्यूरेशन फार्म को डिजिटाइज करने का काम किया गया है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नागरिकों को एम्यूरेशन फार्म भरने में अगर परेशानी आ रही है तो वह व्यक्ति अपने बूथ के बीएलओ का सहयोग लेकर त्रुटि रहित फार्म भर सकता है। इस एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ 3 बार मतदाता के घर पहुंचेंगा और एम्यूरेशन फार्म बांटने के साथ साथ डिजिटाइजेशन करने का कार्य पूरा करेगा। सभी विधानसभाओं के एआरओ व ईआरओ और बीएलओ तथा बीएलए के साथ मिलकर 27, 28 व 29 जून को एम्यूरेशन फार्मों को एकत्रित करने तथा डिजिटाईज्ड करने का काम करेंगे। इस कार्य को और तेज गति के साथ पूरा करने की जरूरत है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एम्यूरेशन फार्म को भरने, एकत्रित करने और डिजिटाइजेशन करने में सहयोग करने के लिए अपील की है। इस एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किए गए बीएलए 1 और 2 को पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ बीएलओ का सहयोग करना होगा ताकि हर बूथ पर त्रुटि रहित मतदाताओं की सूची तैयार हो सके और कम से कम आपत्तियां सामने आए। सभी के साझे प्रयासों से एक निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता सूचि तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस जिले में नागरिकों के सहयोग के लिए एसडीएम और डीसी कार्यालय स्तर पर हैल्प डेस्क स्थापित किए गए है। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 1950 से भी मदद ली जा सकती है। अब बूथ स्तर पर गठित टीमों को प्रतिदिन का लक्ष्य और योजना बनाकर फार्मों को डिजिटाइज करने का काम करना होगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

नूरपुर में बड़ी ड्रग तस्करी का पर्दाफाश

HRTC बस में युवती के बैग से 1 किलो से ज्यादा चरस बरामद

नूरपुर (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नूरपुर पुलिस जिला की सीआईए-1 टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एचआरटीसी बस में सफर कर रही 19 वर्षीय युवती के कब्जे से एक किलो से अधिक चरस बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस अब इस बात की जांच में जुट गई है कि नशीले पदार्थों की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस तक पहुंचाया जाना था।

पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह सीआईए-1 की टीम गनोह, जसूर और नूरपुर क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, गश्त और मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर विशेष अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पालमपुर क्षेत्र की एक युवती एचआरटीसी बस (।क्ष38 ष्ट 9974) में भारी मात्रा में चरस लेकर आ रही है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने जसूर के बौड़ चौक के पास नाका लगाकर बस को रोका और तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान बस में सवार गुनगुन (19), पुत्री शशि कुमार, निवासी गांव खिल्डू, डाकघर बिंद्राबन, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा के बैग से 1 किलो 6 ग्राम (सकल वजन) चरस बरामद हुई।

पुलिस ने मौके पर सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए चरस को कब्जे में लेकर सैंपल सील किए और आरोपी युवती के खिलाफ थाना नूरपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 और 29 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और पूरे ड्रग नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस तस्करी में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने खिलाड़ियों संग बैठकर किया भोजन, जीता सभी का दिल

शिमला, (बी. शर्मा)- 34वीं राज्य स्तरीय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) खेलकूद प्रतियोगिता (महिला वर्ग) का भव्य समापन रविवार को आईटीआई चौड़ा मैदान में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुआ। समापन समारोह में उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया तथा सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। समारोह का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण तब देखने को मिला जब उपायुक्त अनुपम कश्यप ने औपचारिक कार्यक्रम के उपरांत खिलाड़ियों के साथ पंक्ति में बैठकर भोजन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से आत्मीयता के साथ संवाद करते हुए उनके अनुभव, खेलों की तैयारियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उपायुक्त का यह सहज और स्नेहपूर्ण व्यवहार खिलाड़ियों के लिए यादगार बन गया।

हिमाचल में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, सरकार सिर्फ हांक रही डींगे : जयराम ठाकुर

पंचकुला में सुना प्रधानमंत्री का लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले सर्वोच्च सम्मान पर दी बधाई

» प्रथम न्यूज । शिमला
28 जून (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि विश्व स्तरीय सुविधाएं देने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार के राज में आज पूरी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। उन्होंने जिला कुल्लू अस्पताल में एक गर्भवती महिला की हुई दु:खद मृत्यु का हवाला देते हुए अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि राज्य के सबसे बड़े रेफरल अस्पताल शिमला आईजीएमसी में आपातकालीन स्थिति में मरीजों के लिए लिफ्ट तक खराब पड़ी है, जिसके कारण तीमारदारों को अपने मरीजों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को कंधों पर उठाकर ले जाना पड़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कुल्लू में भी बालीचौकी के सुनारू निवासी एक गर्भवती महिला रजनी शर्मा के उसके इलाज में भारी कोताही से मृत्यु का आरोप लगा है। परिजन की बातें और आरोप दिल को झकझोरने वाले हैं। परिजन न्याय की गुहार लेकर सरकार से यही मांग कर रहे हैं कि आखिर कब तक माताओं बहनों के साथ ऐसा

होता रहेगा। इस मामले में अब तक क्या हुआ? दोषियों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इसी तरह जिले सोलन के अस्पताल में भी एक महिला की ऑपरेशन के बाद दु:खद मृत्यु हुई थी और परिजनों ने इलाज में घोर लापरवाही के आरोप लगाए थे। व्यवस्था में सुधार आखिर कब होगा।

जयराम ठाकुर ने टांडा मेडिकल कॉलेज की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी हर रोज कोई न कोई नया बखेड़ा खड़ा रहता है और जिला अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी के चलते छोटी-मोटी गंभीर बीमारियों में भी मरीजों को तुरंत रेफर कर दिया जाता है। लेकिन वहां पर पूरे डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स का तबादला कर दिया जाता है। आईजीएमसी में भी एक डॉक्टर के मरीज से दुर्व्यवहार पूरे देश में चर्चा में रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि नेरचौक मेडिकल कॉलेज में पिछले चार साल से रोगी कल्याण समिति की बैठक तक नहीं हुई है और स्वास्थ्य मंत्री ने आज तक वहां जाकर सुध लेने की जहमत नहीं उठाई, जबकि शिमला के चम्मियाना सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भी अव्यवस्था के कारण जनता हर दिन परेशान हो रही है।

पंचकुला में सुना प्रधानमंत्री का लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात : रविवार सुबह हरियाणा के पंचकुला में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात सुनने के बाद जयराम ठाकुर ने देश की स्वदेशी तकनीक और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय नौसेना में शामिल तीन स्वदेशी युद्धपोतों- आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस अग्रय और आईएनएस संशोधक-तथा भारत में निर्मित पहले सी-295 सैन्य परिवहन विमान के जिक्र को रक्षा क्षमता का सशक्त प्रतीक बताया। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान पर जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने और कैच द रैन अभियान के माध्यम से वर्षा जल संचयन को जनभागीदारी से अपनाने की जरूरत पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले सर्वोच्च सम्मान पर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स के सर्वोच्च पर्यावरणीय सम्मान गार्डियन ऑफ द ब्लू हॉरिजॉन से सम्मानित किया गया है, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। अब तक यह प्रधानमंत्री को 34 वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। इस उपलब्धि पर हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच जो संतुलन बनाया है, वह आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन चुका है। यह सम्मान 'विकसित एवं हरित भारत' के संकल्प और वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में भारत की बढ़ती मजबूत और नेतृत्वकारी भूमिका का एक सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री के दौरे से गदगद हुआ बड़ा भंगाल, लोगों ने सराहे प्रयास

2011 के बाद पहली बार किसी मुख्यमंत्री का दौरा, पहली बार हुआ रात्रि प्रवास, खेतों में जाकर किसानों से जाना हाल, विकास को लेकर किया संवाद

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
28 जून (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के बड़ा भंगाल दौरे से क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2011 के बाद पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल का दौरा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहला अवसर है जब किसी मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में रात्रि प्रवास किया है। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं और दिए गए निर्देशों से बड़ा भंगाल के विकास को नई गति मिलेगी।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री पूरी तरह स्थानीय संस्कृति और परंपराओं में रंगे नजर आए। उन्होंने पारंपरिक वेशभूषा 'चोला-डोरा' धारण कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा स्थानीय लोगों के साथ पारंपरिक लोकनृत्य में

भी सहभागिता की।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय किसानों के खेतों का दौरा कर उनकी समस्याओं को नजदीक से समझा। उन्होंने किसानों से राजमाह की खेती, उत्पादन और विपणन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की तथा भेड़पालकों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने ऊन का समर्थन मूल्य 100 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया है, जिससे भेड़पालकों और स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बड़ा भंगाल के लोग भी सरकार की इस योजना का लाभ ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने 'राजीव गांधी प्राकृतिक खेती स्टार्ट-अप योजना' लागू की है। इसके तहत प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्का का 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम तथा पांगी घाटी में उत्पादित जौ का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है। इसके अतिरिक्त हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है, जबकि अदरक के लिए 30 रुपये प्रति किलोग्राम का समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक किशोरी लाल, उपायुक्त हेमराज बैरवा तथा पुलिस अधीक्षक कुलभूषण वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

चम्बा में अग्निवीर जवान पर ढाबा संचालक ने किया लोहे की रॉड से हमला

निर्धारित राशि से अधिक पैसे मांगने पर हुई कहासुनी

चंबा (एएम नाथ) - चम्बा जिले के लोहरी क्षेत्र में एक ढाबा संचालक पर भारतीय सेना के अग्निवीर जवान से मारपीट और लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को सौंपी शिकायत में अमित कुमार (23) निवासी गांव उआं डाकघर दाड़वी तहसील एवं जिला चंबा ने बताया कि वह वर्तमान में भारतीय सेना की 9 जैक राइफल्स में अग्निवीर के रूप में कार्यरत हैं। उनकी तैनाती जयपुर (राजस्थान) में है। उन्होंने बताया कि वह 19 जून को अवकाश पर अपने घर आए थे।

24 जून रात को करीब 8 से 8:30 बजे के बीच वह अपने साथियों टेक चंद (उपप्रधान, पंचायत फागड़ी), इंद्र कुमार, डिंपल कुमार और आशीष कुमार के साथ लोहरी नाला स्थित विकास कुमार के ढाबे पर भोजन करने गए थे। रात करीब 10:30 से 11 बजे बिल का भुगतान करते समय ढाबा संचालक ने निर्धारित राशि से अधिक पैसे मांगे। इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद अमित कुमार ढाबे से बाहर निकल गए जबकि उनके साथी बिल का भुगतान कर बाहर आए।

आरोप है कि जब अमित कुमार अपने घर की ओर जाने लगे तो ढाबा संचालक विकास कुमार निवासी गांव लोहरी लोहे की रॉड लेकर बाहर आया और उनका रास्ता रोक लिया। आरोपी ने उनके ऊपर लोहे की रॉड से वार कर दिया। इससे उसकी बाईं आंख से खून बहने लगा। पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे थाने में तलब किया है।

मंडी में नवनिर्वाचित उपप्रधान पर दुष्कर्म का आरोप

दुष्कर्म, मानसिक प्रताड़ना और धमकाने के गंभीर आरोप, पंचायत उपप्रधान विवादों में, महिला शिक्षिका ने दर्ज करवाई शिकायत

» प्रथम न्यूज । मंडी
28 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीएसएल कॉलोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एक पंचायत के नवनिर्वाचित उपप्रधान पर एक महिला शिक्षिका ने दुष्कर्म, मानसिक प्रताड़ना और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि पंचायत के उपप्रधान ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। महिला का कहना है कि आरोपी लंबे समय से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे बदनाम करने और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकियां भी दीं। महिला ने आरोप लगाया कि डर और सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण वह पहले शिकायत दर्ज नहीं करवा सकी, लेकिन लगातार बढ़ते दबाव और प्रताड़ना के चलते उसने पुलिस का सहारा लिया।

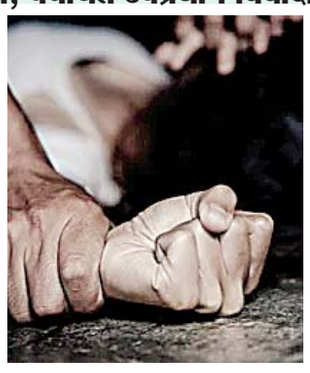

मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। एक जनप्रतिनिधि पर लगे इतने गंभीर आरोपों ने स्थानीय लोगों को भी हैरान कर दिया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और सभी तथ्यों की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पीड़िता के बयान दर्ज किए जा रहे हैं तथा मामले से जुड़े अन्य साक्ष्य भी एकत्र किए जा रहे हैं। जांच के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी और जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की पुष्टि या खंडन किया जा सकेगा। फिलहाल मामले ने पूरे क्षेत्र में हलचल मचा दी है और लोग जांच के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं।

खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ समाज का निर्माण होता है : उपायुक्त अनुपम कश्यप

आईटीआई राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन, मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को दिलाई चिट्टे के विरुद्ध शपथ, विजेता उप विजेता टीमों को किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । शिमला
28 जून (बी.शर्मा)

34वीं राज्य स्तरीय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) खेलकूद प्रतियोगिता (महिला वर्ग) का भव्य समापन रविवार को आईटीआई चौड़ा मैदान में हुआ। समापन समारोह में उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रतिभागी छात्राओं, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया गया।

समारोह के प्रारंभ में उपायुक्त अनुपम कश्यप ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों, छात्राओं, प्रशिक्षकों एवं स्टाफ को चिट्टे एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से नशामुक्त हिमाचल के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की सबसे प्रभावी पाठशाला हैं। खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम

भावना और कठिन परिस्थितियों में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी अपने आप में विजेता होता है, क्योंकि वह अपने भीतर आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करता है।

उन्होंने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। चाहे खेल का मैदान हो, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, सेना अथवा उद्यमिता का क्षेत्र, महिलाएं अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने कौशल और प्रतिभा को निरंतर निखारें तथा जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए पूरी लगन और मेहनत से कार्य करें।

उपायुक्त ने कहा कि जीवन में अनुशासन और नियमों का पालन सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। यदि विद्यार्थी समय का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें तो कोई भी चुनौती उनके मार्ग की बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि खेल हमें हार से सीखने और जीत में विनम्र बने रहने की प्रेरणा देते हैं, जो जीवन की सबसे बड़ी सीख है।

उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं के सामने बढ़ती नशे की समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज चिट्टा और अन्य मादक पदार्थ समाज एवं विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुके हैं। नशा केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज का भविष्य प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, नवाचार और सकारात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी युवा का साथी अथवा परिचित नशे की गिरफ्त में है तो उसे समाज से अलग करने के बजाय उसे नशे से बाहर निकालने के लिए प्रेरित करें तथा उसका सहयोग करें। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ही नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। उपायुक्त ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने चिट्टा तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के साथ-साथ सूचना देने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए इनाम योजना भी लागू की है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा ?10,000 से ?10 लाख तक का इनाम दिया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें कहीं भी नशे के कारोबार या तस्करी संबंधी कोई सूचना प्राप्त होती है तो वे बिना किसी भय के प्रशासन एवं पुलिस को इसकी जानकारी दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त हिमाचल का सपना तभी साकार होगा जब समाज का प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समारोह के अंत में मुख्य अतिथि ने विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यतिथि को शॉल टोपी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राज्य भर के 11 जिलों में से 408 खिलाड़ियों ने चार दिवसीय दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस मौके पर विवेक मेहता नोडल ऑफिसर कम प्रधानाचार्य, कार्तिक ठाकुर प्रधानाचार्य आईटीआई चौड़ा मैदान सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद रहा।

ये रहे प्रतियोगिता परिणाम - वॉलीबॉल प्रतियोगिता में जिला सोलन विजेता तथा जिला शिमला उपविजेता रहा। खो-खो प्रतियोगिता में जिला शिमला विजेता तथा जिला सोलन उपविजेता रहा। बैडमिंटन प्रतियोगिता में जिला कांगड़ा ने प्रथम तथा जिला मंडी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता में जिला सोलन विजेता तथा जिला शिमला उपविजेता रहा।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में एकल गायन में जिला शिमला प्रथम, जिला किन्नौर प्रथम उपविजेता तथा जिला कुल्लू द्वितीय उपविजेता रहा। स्किट प्रतियोगिता में जिला शिमला विजेता, जिला कुल्लू प्रथम उपविजेता तथा जिला मंडी द्वितीय उपविजेता रहा। समूह गायन प्रतियोगिता में जिला बिलासपुर विजेता, जिला शिमला प्रथम उपविजेता तथा जिला चंबा द्वितीय उपविजेता रहा। लोक नृत्य प्रतियोगिता में जिला चंबा विजेता, जिला सोलन प्रथम उपविजेता तथा जिला कुल्लू द्वितीय उपविजेता रहा। मार्च पास्ट प्रतियोगिता में जिला शिमला ने प्रथम तथा जिला कुल्लू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

उत्कृष्ट एवं निरंतर प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल स्पोर्ट्स ट्रॉफी जिला सोलन के नाम रही, जबकि ओवरऑल कल्चरल ट्रॉफी पर जिला शिमला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कब्जा जमाया।

आयरलैंड ने भारत के खिलाफ सीरीज जीतकर रचा इतिहास, टीम इंडिया को हराकर किया शर्मसार

भारतीय मूल के खिलाड़ी जय मूंदड़ा की खतरनाक गेंदबाजी के दम पर आयरलैंड ने बेलफास्ट में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत को हरा दिया है। रोमांचक मुकाबले में आयरिश टीम ने 1 रन से जीत हासि की। इसी के साथ उन्होंने सीरीज में भारत का सूपड़ा साफ कर दिया है और सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है।

आयरलैंड के लिए बल्लेबाजी में हैरी टेक्टर ने कमाल की बैटिंग की और अर्धशतक लगाया।

उनकी पारी के दम पर आयरिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाए थे। टीम इंडिया इसके जवाब में तिलक वर्मा के अर्धशतक के दम पर 153 रन ही बना सकी और 1 रन से मैच में हार का सामना करना पड़ा।

प्रिंस यादव का कमाल

इस मैच में भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी को तो पदार्पण नहीं कराया लेकिन प्रिंस यादव और सूर्यांश शेडगे को ब्लू कैप मिली।

प्रिंस ने अपने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि शिवम दुबे ने एक ओवर में दो विकेट लेकर आयरिश टीम को बड़े स्कोर तक जाने से रोका।

जब हैरी टेक्टर (53) और खतरनाक बेन कैलिट्ज (37) चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी करके पारी को बड़े स्कोर की ओर ले जाते दिख रहे थे, तभी दुबे ने लगातार गेंदों पर दो विकेट चटकाए।

दुबे ने पहले कैलिट्ज को डीप में कैच कराया और फिर एक बेहतरीन आफ-कटर फेंकी जिसने गैरेथ डेलानी के डिफेंस को भेदते हुए ऑफ-स्टंप के ऊपरी हिस्से को हिट किया। हालांकि टेक्टर ने अपने 100वें मैच में नौवां टी-20 अर्धशतक लगाकर सबसे ज्यादा रन बनाए।

आयरलैंड ने मिडिल ओवरों में की कमाल की बल्लेबाजी

अक्षर पटेल और यादव ने हार्ड लेंथ, शॉर्ट बाल और अच्छे वेरिएशन के साथ कसी हुई गेंदबाजी की।

आयरिश पारी का घटनाक्रम पहले मैच जैसा ही रहा। जहां भारत ने 50 रन के अंदर तीन विकेट ले लिए थे, लेकिन बाद में मेजबान टीम ने मध्य ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की थी।

48 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद जब कैलिट्ज बल्लेबाजी करने आए, तो उन्होंने समझदारी से उन गेंदबाजों को निशाना बनाया जिनकी गेंदों पर आसानी से हिट किया जा सकता था।

सूर्यांश शेडगे ने एक ओवर में लुटाए 22 रन

पदार्पण कर रहे सूर्यांश की आसान मीडियम-पेस गेंदों पर छोटी स्क्वायर बाउंड्री के ऊपर से एक ही ओवर में 22 रन बनाए गए। शुरुआत में हर्षित राणा ने हैरी के भाई टिम टेक्टर को मिड-विकेट पर कैच कराया। टिम पुल-शॉट खेलने के प्रयास में चूक गए थे।

अर्शदीप सिंह ने अडायर को गुड लेंथ पर ऐसी गेंद फेंकी जिसका पीछा करते हुए वह आउट हो गए।

जय मूंदड़ा ने भारतीय टीम को किया परेशान

आयरलैंड की तरफ से खेल रहे भारतीय पासपोर्ट धारक जय मूंदड़ा ने एक बार फिर श्रेयस अय्यर की टीम को परेशान किया। भारतीय गेंदबाजों ने इस बार आयरिश टीम को सिर्फ 154 रनों पर रोक दिया था लेकिन पिछले मैच में भारतीय टीम को झकझोरने वाले जय मूंदड़ा ने यहां भी अपने शुरुआती दो ओवर में ही विकेटकीपर संजू सैमसन, ओपनर अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर दिया। भारतीय टीम ने सिर्फ 19 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद इशान किशन भी 35 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

तिलक वर्मा ने लगाया अर्धशतक

भारत की आधी टीम 74 रनों पर पवेलियन लौट चुकी थी। अक्षर पटेल 14 रन बनाकर आउट हो गए। इसके शिवम दुबे ने तिलक के साथ साझेदारी की लेकिन वे 16 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक एक छोर पर डटे रहे। उन्होंने 45 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद पर आउट हो गए। वे 46 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए।

हर्षित राणा की कोशिश के बावजूद हारा भारत

भारत के लिए अंत में हर्षित राणा ने भारत को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने कुछ बड़े शॉट्स भी लगाए लेकिन टीम इंडिया को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 10 गेंदों पर 21 रन बनाए लेकिन भारत को 1 रन से हार का सामना करना पड़ा।

एलिस पेरी और एश्ले गार्डनर की फिफ्टी, ऑस्ट्रेलिया से हारकर विश्व कप से बाहर हुई भारतीय टीम

लिस पेरी और एश्ले गार्डनर के बीच 57 गेंदों पर 100 रन की पार्टनरशिप की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने विमंस टी20 विश्व कप 2026 के 30वें मुकाबले में रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 6 विकेट से हराया। इस हार के साथ ही भारतीय टीम सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है।

ग्रुप ए से ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने सेमीफाइनल का टिकट कटाया है। ग्रुप बी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने अंतिम-4 में जगह बनाई। मुकाबले की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 170 रन बनाए थे। 171 रन के टारगेट को ऑस्ट्रेलिया टीम ने 19वें ओवर में चेज कर लिया।

भारत की अच्छी शुरुआत

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने भारत को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने 55 गेंदों पर 66 रन जोड़े। 10वें ओवर में भारतीय टीम को पहला झटका लगा। सोफी मोलिनक्स ने शेफाली को बोल्ड किया। इसके बाद मंधाना रन आउट हुईं। उन्होंने 37 गेंदों का सामना किया और 38 रन बनाए। अपनी इस पारी में मंधाना ने 6 चौके भी लगाए। 3 नंबर पर उतरीं जेमिमा रोड्रिग्स रिटायर आउट हुईं। इससे पहले उन्होंने 28 गेंदों पर 34 रन जड़े। इस दौरान जेमिमा के बल्ले से चौका और 1 छक्का निकला। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने अहम मैच में अर्धशतक लगाया। कौर ने 6 चौकों और 3 छक्कों की बदौलत 27 गेंदों पर 56 रन कूट दिए। हरमनप्रीत की इसी पारी के चलते भारतीय टीम बड़े स्कोर तक पहुंच सकी। हरमनप्रीत की यह 50 रन की पारी ङ्ग20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे तेज है। इसने दुबई में 2024 में स्रू-ङ्घ के खिलाफ उनकी 27 गेंदों में खेली गई पारी का रिकॉर्ड तोड़ा है। रिचा घोष 1 और दीप्ति शर्मा 4 रन बनाकर नाबाद रहीं। कप्तान सोफी मोलिनक्स के खाते में 2 विकेट आए।

पहले ओवर में गिरा विकेट - 171 रन चेज करने उतरी ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की शुरुआत खराब रही और रेणुका ठाकुर ने पहले ही ओवर में जॉर्जिया वोल (4) को LBW आउट किया। इसके बाद फीबी लिचफील्ड और बेथ मूनी के बीच दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 50 रन की पार्टनरशिप हुई। पावरप्ले के बाद श्रीचरणी ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने फीबी (24) को मंधाना के हाथों कैच आउट कराया।

दीप्ति ने रचा इतिहास -10वें ओवर के पहली गेंद पर दीप्ति शर्मा ने मूनी का विकेट चटकाकर इतिहास रच दिया। वह विमंस क्रिकेट के सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। दीप्ति ने झूलन गोस्वामी का रिकॉर्ड तोड़ा। 19वें ओवर में एलिस पेरी कैच आउट हुईं। उन्होंने 38 गेंदों पर 56 रन की पारी खेली। एश्ले गार्डनर 29 गेंदों पर 53 रन बनाकर नाबाद रहीं।

मैहला में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को PMMVY और मिशन जीवन उपहार पर दिया गया प्रशिक्षण

पात्र महिलाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर, मैहला में एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित, कुपोषण मुक्त बचपन और मातृ स्वास्थ्य पर फोकस, 40 कार्यकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

» प्रथम न्यूज । चंबा

28 जून (एएम नाथ)

महिला एवं बाल विकास विभाग, चंबा के अंतर्गत मैहला में बाल देखरेख संस्थान परिसर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) मैहला अक्षय कुमार ने की। प्रशिक्षण का आयोजन आईपी ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वृत्त पर्यवेक्षक नीलम देवी, पोषण अभियान के खंड समन्वयक संजय कुमार, 40 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा आईपी ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड से अजय कुमार उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के प्रभावी क्रियान्वयन और लाभार्थियों के अधिकतम पंजीकरण को लेकर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अजय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक विशेष अभियान चलाया

जा रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों का अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा किया जाए। उन्होंने योजना के तहत पंजीकरण प्रक्रिया, निगरानी व्यवस्था और रिपोर्टिंग संबंधी विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से जानकारी साझा की।

सीडीपीओ अक्षय कुमार ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता और उससे जुड़े दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी पात्र महिलाओं तक समय पर योजना का लाभ पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है और इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम के दौरान खंड समन्वयक संजय कुमार तथा वृत्त सुपरवाइजर नीलम कुमारी ने मिशन जीवन उपहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कुपोषित बच्चों की पहचान, निगरानी और उन्हें आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जागरूक किया।

साथ ही इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि क्षेत्र का कोई भी कुपोषित बच्चा चिन्हित होने से न छूटे। प्रशिक्षण में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने पर विशेष चर्चा की गई।

बेनला ब्राह्मणा पंचायत में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, विकास व जनसेवा का लिया संकल्प

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

28 जून (जितेंद्र गौतम)

ग्राम पंचायत बेनला ब्राह्मणा, जिला बिलासपुर में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों को ग्राम पंचायत प्रधान श्री राकेश ठाकुर द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

शपथ ग्रहण करने वाले नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों में श्रीमती सलमा, श्री जय पाल, श्री हरदेव, श्रीमती दीपा कुमारी तथा श्रीमती निशा शामिल रहे। सभी प्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायत के समग्र विकास, जनहित एवं पारदर्शी प्रशासन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में पंचायत उपप्रधान श्री सतीश शर्मा, पंचायत सचिव श्री रूप लाल, पूर्व प्रधान श्री जिंदू राम, श्री कुलदीप धीमान, श्रीमती सोमा देवी, पूर्व उपप्रधान श्री पुरुषोत्तम ठाकुर, श्री राकेश कुमार, पूर्व बीडीसी सदस्य श्री रतन लाल, पूर्व वार्ड सदस्य श्री प्यारे लाल, श्रीमती रतनी देवी, श्रीमती गोदा देवी, श्रीमती ज्योति, श्रीमती मनोज कुमारी, श्रीमती फूला देवी, श्रीमती प्रेमा देवी, महिला मंडल प्रधान श्रीमती कौशल्या देवी सहित पंचायत के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में प्रधान श्री राकेश ठाकुर ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत का विकास जनसहभागिता, पारदर्शिता और आपसी सहयोग से ही संभव है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की।

पट्टानाली पंचायत प्रतिनिधियों को दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग

28 जून (तारा)

विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत पट्टा नाली की प्रधान आशा कंवर ने नव नियुक्त सभी वार्ड सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। आशा कंवर ने बताया कि नव निर्वाचित पंचायत ने विधिवत् रूप से पंचायत का कार्यभार संभाल लिया। इसी कार्यक्रम में सरकार द्वारा चलाये गए नशा निवारण अभियान के तहत सरकार द्वारा अधिकृत किए गए राजकीय उच्च विद्यालय बघौनीघाट के शिक्षक रोमी कुमार पटियाल द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों को एंटी चिट्टा की शपथ दिलाई गई। जिसमें

मुख्य रूप से पंचायत के उप प्रधान भूप सिंह, जीआरएस देवी दत्त, वार्ड सदस्य रोशन लाल, लीला देवी, हरदेई , ललिता कंवर, चरण दास व समाजसेवी घनश्याम कंवर उपस्थित रहे। प्रधान ने बताया कि पट्टा नाली पंचायत को नशा मुक्त बनानां पंचायत के हर व्यक्ति की प्राथमिकता रहेगी। नशा न केवल एक व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देता है। उन्होंने आगे बताया कि जल्द ही पंचायत स्तर पर नशा निवारण समितियों का गठन किया जाएगा। जो प्रत्येक वार्ड में निगरानी रखेगी इसके अलावा पुलिस विभाग के सहयोग से समय समय पर जागरूकता अभियान भी चलाये जाएंगे।

छोटे बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग

28 जून (तारा)

स्वास्थ्य खंड चंडी के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठाड में पल्स पोलियो अभियान के तहत क्षेत्र के 0 से 5 साल तक के छोटे बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस दौरान क्षेत्र की ग्राम पंचायत कृष्णगढ़, मंडेसर, जगजीत नगर, निचली गांवगुड़ी सहित अन्य आस पास की पंचायतों व प्रवासी लोगों के बच्चों को भी खुराक पिलाई गई।

इस अभियान में आंगनबाड़ी वर्करों

व आशा कार्यकर्ताओं ने अपना योगदान दिया। आशा कार्यकर्ता मीना व सुमन ने बताया कि यह खुराक नियमित टीकाकरण के अतिरिक्त दी जाती है जो बच्चों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करती है। पल्स पोलियो की दवा बच्चों को जानलेवा पोलियो वायरस से बचाने के लिए पिलाई जाती है।

यह दवाई बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है उन्होंने बताया कि जो बच्चे इस अभियान में किन्हीं कारणों से छूट गए हैं उन्हें अभियान के दूसरे दिन घर घर जाकर दवाई पिलाई जाएगी।

मन की बात में विकसित भारत का संकल्प, जबकि हिमाचल में कांग्रेस सरकार विकास की धारा रोकने में जुटी : कर्ण नंदा

» प्रथम न्यूज । शिमला

28 जून (बी. शर्मा)

संजौली मंडल विधानसभा क्षेत्र शिमला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनने के उपरांत भाजपा मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के निर्माण, जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता और सुशासन का विजन देश के सामने रख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। कर्ण नंदा ने कहा कि प्रदेश के समाचार पत्र स्वयं कांग्रेस सरकार की विफलताओं की गवाही दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था के कारण प्रदेश सरकार स्वयं स्वीकार कर रही है कि हिमाचल पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। इसका सीधा अर्थ है कि राज्य सरकार अपनी वित्तीय योजना और संसाधन प्रबंधन में पूरी तरह असफल रही है। यदि सरकार समय पर आवश्यक सुधार करती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। गरीब परिवारों को समय पर राशन उपलब्ध नहीं हो रहा है और कई डिपो आवश्यक खाद्य सामग्री के अभाव से जूझ रहे हैं। कांग्रेस सरकार गरीबों को राहत देने के दावे करती है, लेकिन धरातल पर जनता परेशान है। कर्ण नंदा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा शानन परियोजना पर दिए जा रहे बयान केवल राजनीतिक दिखावा हैं। यदि प्रदेश सरकार वास्तव में हिमाचल के हितों के प्रति गंभीर होती तो इस विषय पर ठोस कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई दिखाई देती। आज प्रदेश के सामने वित्तीय संकट, बेरोजगारी, विकास कार्यों की धीमी गति और अव्यवस्था जैसी गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, पारदर्शिता और जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार केवल घोषणाओं की राजनीति तक सीमित होकर रह गई है। जनता अब सरकार की कथनी और करनी का अंतर भली-भांति समझ चुकी है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

30 जून से शुरू हो रहे हैं आषाढ़, इस माह में भूलकर भी न करें ये काम

सनातन धर्म में आषाढ़ माह का विशेष धार्मिक महत्व होता है. यही वह माह है, जिसमें भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और चातुर्मास का प्रारंभ होता है. हिंदी पचांग के अनुसार, आषाढ़ साल का चौथा महीना होता है. इस दौरान पूजा, पाठ, व्रत, स्नान, जप, तप आदि से विशेष लाभ मिलता है. मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु की पूजा करने, दान-पुण्य करने और सात्विक जीवन अपनाने से सुख-समृद्धि आती है.

द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में आषाढ़ माह का प्रारंभ 30 जून से हो रहा है. वहीं इस माह का समापन 29 जुलाई 2026 को होगा. इसी दिन आषाढ़ पूर्णिमा भी मनाई जाएगी. आषाढ़ माह के लिए पूजा-पाठ और व्रत आदि के साथ साथ कुछ विशेष नियम भी धर्म शास्त्रों में बताए गए हैं. कुछ ऐसे काम हैं, जिनको इस माह में करना पूरी तरह से वर्जित माना गया है. आइए इन कामों के बारे में विस्तार से जानते हैं.

आषाढ़ माह में न करें ये काम

आषाढ़ माह में चातुर्मास के प्रारंभ होने के बाद विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं, इसलिए भूलकर भी ये काम न करें. जल का अपमान या उसकी बर्बादी न करें. बासी भोजन का सेवन न करें. तली-भुनी और अत्यधिक मसालेदार चीजें खाने से बचें. मांस, मदिरा और अन्य तामसिक खाद्य पदार्थों का सेवन भी न करें. पत्तागोभी, पालक जैसी पत्तेदार सब्जियां, मसूर की दाल और बैंगन न खाएं. झगड़े-कलह और कटु वचन से बचें.

इस माह में क्या करें?

आषाढ़ माह में सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य देव को जल अर्पित करें. रोजाना भगवान विष्णु की पूजा करें और उनके मंत्रों का जाप करें. नियमित रूप से विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें. तरबूज, खरबूजा, खीरा जैसे रसीले और मौसमी फलों को आहार में शामिल करें. एकादशी, अमावस्या या पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी में स्नान करें. जप, तप, ध्यान और धार्मिक साधना में अधिक समय दें. सात्विक भोजन और संयमित दिनचर्या अपनाएं. जरूरतमंद लोगों को छाता, चप्पल, तरबूज, खरबूजा और खीरे जैसे रसीले फलों का दान करें.

आषाढ़ माह का धार्मिक महत्व

आषाढ़ का महीना भगवान विष्णु की भक्ति के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है. इस महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर देवशयनी एकादशी का व्रत पड़ता है. इसी दिन से चातुर्मास की शुरुआत होती है. इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और फिर चार महीने बाद देवउठनी एकादशी पर जागते हैं. चातुर्मास में हिंदू धर्म में कई मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है. ये समय साधना, भक्ति, जप और तप के लिए श्रेष्ठ रहता है.

तिरुपति बालाजी में 1000 श्रद्धालु रोज कर सकेंगे फ्री में दर्शन, प्रसाद का लड्डू भी मिलेगा निशुल्क

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित तिरुमाला मंदिर को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया है. भगवान विष्णु के अवतार श्री वेंकटेश्वर स्वामी यानी तिरुपति बालाजी के दर्शन के संबंध में तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा है कि रोज 1000 वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निशुल्क दर्शन की सुविधा दी जाएगी. इसके लिए तीन महीने पहले ऑनलाइन टिकट बुक करने की सलाह दी गई है. इससे भगवान के दर्शन बिना किसी परेशानी के संभव हो सकेंगे.

टीटीडी की ओर से कहा गया है कि टिकट लेने वालों को 50 रुपये का प्रसाद का लड्डू भी दिया जाएगा. यह स्पष्ट किया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को तिरुमाला के नम्बी मंदिर में दोपहर 3 बजे विशेष दर्शन कतार के माध्यम से दर्शन की अनुमति दी जाएगी. वरिष्ठ नागरिकों के दर्शन के संबंध में सोशल मीडिया पर किए जा रहे दुष्प्रचार पर विश्वास न करने की सलाह दी गई है. भक्तों को बिचौलियों की बातों में नहीं आना चाहिए.

हाल ही में, कुछ बिचौलिए श्रीवारी दर्शन और आवास के नाम पर श्रद्धालुओं को ठग रहे हैं. ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं. कुछ श्रद्धालु उनके धोखे में आकर ठगे जा रहे हैं. इसके मद्देनजर, टीटीडी ने ऐसे लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है. अगर कोई उनसे दर्शन और आवास टिकट दिलाने का वादा करके संपर्क करता है, तो शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है.

TTD ने हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने की दी सलाह

टीटीडी ने श्रद्धालुओं से हेल्पलाइन नंबर 155257 पर कॉल करने को कहा है. चेतावनी दी गई है कि बिचौलियों और दलालों की बातों में न आएं और पैसे न वसूलें, पकड़े जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. टीटीडी ने बिचौलियों पर विशेष ध्यान दिया है. टीटीडी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों के दर्शन के संबंध में सोशल मीडिया पर किया जा रहा दुष्प्रचार पूरी तरह से झूठा है और श्रद्धालुओं को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए.

आखिर क्यों हनुमान जी कहलाए बाला जी? जानिए इसके पीछे की पौराणिक कथा

भगवान हनुमान को भारत के अलग-अलग हिस्सों में कई नामों से पूजा जाता है. कहीं उन्हें संकटमोचन कहा जाता है, कहीं बजरंगबली तो कहीं मारुति नंदन. वहीं उत्तर भारत, राजस्थान, मध्य प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में उन्हें बाला जी के नाम से भी जाना जाता है. बहुत से लोगों के मन में यह सवाल आता है कि आखिर हनुमान जी को बाला जी क्यों कहा जाता है? इसके पीछे क्या कोई पौराणिक कथा है या फिर इसका कोई विशेष धार्मिक महत्व है? आइए जानते हैं इस नाम से जुड़ी मान्यता.

क्या है बाला जी नाम का अर्थ?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बाल शब्द का अर्थ होता है बालक या किशोर अवस्था, जबकि जी सम्मान सूचक शब्द है. हनुमान जी को बाला जी कहने के पीछे यह मान्यता है कि वे आज भी बाल स्वरूप में भक्तों की रक्षा करते हैं. उनका यह रूप ऊर्जा,साहस और असीम शक्ति का प्रतीक माना जाता है. इसी वजह से कई प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों में भगवान की मूर्ति बाल स्वरूप या युवा स्वरूप में स्थापित की गई है, जहां श्रद्धालु उन्हें बाला जी कहकर पुकारते हैं.

सूर्य को फल समझकर निगलने की कथा : पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब हनुमान जी बहुत छोटे थे, तब एक दिन उन्होंने आकाश में उगते हुए लाल सूर्य को पका हुआ फल समझ लिया. उसे खाने की इच्छा से वे तेज गति से आकाश में उड़ गए. उनके इस अद्भुत पराक्रम को देखकर सभी देवता आश्चर्यचकित हो गए. कहा जाता है कि उस समय इंद्र देव ने अपने वज्र से हनुमान जी पर प्रहार किया, जिससे उनकी ठोड़ी पर चोट लगी. इसके बाद वायु देव क्रोधित हो गए और उन्होंने पूरे संसार में वायु का प्रवाह रोक दिया. तब सभी देवताओं ने मिलकर बाल हनुमान को अनेक दिव्य वरदान दिए. इसी बाल अवस्था में उनके असाधारण बल और पराक्रम के कारण उन्हें विशेष सम्मान मिलने लगा.

ऋषियों के श्राप से भूल गए अपनी शक्तियां : एक अन्य प्रसिद्ध कथा के अनुसार, बचपन में हनुमान जी बहुत चंचल थे. वे अपने खेल-खेल में कई ऋषि-मुनियों की तपस्या में बाधा डाल देते थे. तब ऋषियों ने उन्हें ऐसा श्राप दिया कि वे अपनी दिव्य शक्तियों को तब तक भूल जाएंगे, जब तक कोई उन्हें उनकी शक्ति का स्मरण नहीं कराएगा. बाद में जब माता सीता की खोज के लिए समुद्र पार करना था, तब जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्तियों का स्मरण कराया. इसके बाद उन्होंने विशाल रूप धारण किया और लंका पहुंचकर भगवान श्रीराम का कार्य सफल किया. यह कथा बताती है कि हनुमान जी का बाल स्वरूप केवल मासूमियत का नहीं, बल्कि अपार शक्ति का भी प्रतीक था.

बाला जी नाम से क्यों प्रसिद्ध हुए?

धार्मिक विद्वानों के अनुसार, हनुमान जी को बाला जी कहने की परंपरा उनके बाल रूप, दिव्य शक्ति और सदैव युवा रहने वाले स्वरूप से जुड़ी हुई मानी जाती है. कई स्थानों पर यह नाम स्थानीय परंपराओं के कारण भी अधिक प्रचलित हुआ. खासतौर पर राजस्थान के प्रसिद्ध मेहंदीपुर बाला जी धाम के बाद यह नाम पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया.भक्तों का विश्वास है कि बाला जी के रूप में हनुमान जी अपने भक्तों के सभी संकट दूर करते हैं, नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करते हैं और साहस, आत्मविश्वास तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं.

बाला जी की पूजा का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि जो श्रद्धालु सच्चे मन से बाला जी की आराधना करते हैं, उनके जीवन की बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं. मंगलवार और शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ, सुंदरकांड का पाठ और सिंदूर, चमेली का तेल तथा गुड़-चना अर्पित करना विशेष शुभ माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि बाला जी की कृपा से व्यक्ति को भय, शत्रु बाधा, मानसिक तनाव और नकारात्मक प्रभावों से राहत मिलती है.

रसोई में उल्टा तवा रखना है राहु को न्योता, एक गलती कर सकती है कंगाल

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। वास्तु शास्त्र में रसोई से जुड़े नियम के बारे में बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि नियम का पालन करने से मां अन्नपूर्णा नाराज हो सकती हैं, जिससे जीवन में व्यक्ति को अन्न की कमी का सामना करना पड़ सकता है। तवे को उल्टा भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तवे को उल्टा रखने से घर की सुख-समृद्धि प्रभावित होती है। राहु दोष की समस् बढ़ सकती है, जिसकी वजह से कलह-क्लेश और मानसिक तनाव की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही धन की कमी हो सकती है। अक्सर लोगों के मन सवाल आता होगा कि आखिर क्यों तवे को उल्टा नहीं रखना चाहिए? शायद बहुत ही कम लोगों को इसके बारे में जानकारी होगी, तो ऐसे में आइए इस आर्टिकल में एस्ट्रोपत्री के ज्योतिषी चंद्रेश शर्मा के अनुसार आपको बताते हैं इसके पीछे की वजह के बारे में।

ज्योतिषी चंद्रेश शर्मा के अनुसार, वास्तु शास्त्र और भारतीय रसोई के नियमों में तवे को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि इसका सीधा संबंध राहु ग्रह से होता है। वास्तु के नियमों के अनुसार, रात को खाना बनाने के बाद या कभी भी तवे को उल्टा करके नहीं रखना चाहिए।

उल्टा तवा रखने के नुकसान

रसोई में तवे को गलत तरीके से रखने से घर की सुख-समृद्धि प्रभावित होती है

आर्थिक और शारीरिक कष्ट : उल्टा तवा घर में अचानक आने वाले संकटों, दुर्घटनाओं और नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनता है। ऐसा करने से परिवार के मुखिया की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगती है।

राहु दोष में बढ़ोतरी : उल्टा तवा रखने से राहु दोष बढ़ता है, जिससे घर के सदस्यों में बेवजह के कलह-क्लेश, मानसिक तनाव और धन की तंगी शुरू हो जाती है।

कंफ्यूजन खत्म, 30 जुलाई से शुरू होंगे सावन, जानें कब से शुरू करें 16 सोमवार का व्रत

सनातन धर्म में सावन का महीना बहुत पावन माना जाता है. ये माह देवों के देव महादेव को समर्पित किया गया है. सावन हिंदी पंचांग का पांचवां महीना माना जाता है.

इस माह में प्रकृति हरियाली की चादर ओढ़कर रखती है. ये आस्था और भक्ति का सबसे पवित्र समय होता है. सावन में शिव जी की पूजा का विशेष महत्व शास्त्रों में वर्णित है. इस माह में भगवान शिव का विशेष रूप से जलाभिषेक किया जाता है. पौराणिक मान्यता है कि महादेव ने सावन के माह में सागर मंथन से निकला विष पिया था.

विष को पीने के बाद महादेव के शरीर में गर्मी बढ़ने लगी थी. तब इसी माह में देवताओं ने महादेव के शरीर को ठंडक प्रदान करने के लिए जल चढ़ाया था, तभी से महादेव को ही सावन में जल चढ़ाने की परंपरा की परंपरा शुरू हो गई.

द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल सावन का माह 30 जुलाई को प्रारंभ होगा और 28 अगस्त को सावन पूर्णिमा

के साथ ही इस माह का समापन होगा. सावन माह में सोमवार के व्रत का विशेष महत्व है. आइए जानते हैं कि 16 सोमवार का व्रत कब से शुरू करें?

सावन में लें 16 सोमवार के व्रत का संकल्प : 16 सोमवार के व्रत का संकल्प लेने का सबसे शुभ समय सावन माह ही माना जाता है. अगर आप 16 सोमवार के व्रत का संकल्प लेना चाहते हैं, तो 30 जुलाई को इस साल सावन के पहले सोमवार पर लें. इस दिन से आप 16 सोमवार के व्रत रख सकते हैं.

ये व्रत क्यों माना जाता है विशेष?

16 सोमवार व्रत सावन में शुरू करने से सांसारिक सुख प्राप्त होते हैं. साथ ही आत्मिक शुद्धि होती है. पूर्व जन्मों के पापों का नाश होता है और मानसिक-अध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है. मान्यता है कि 16 सोमवार के व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. इस व्रत के प्रभाव से मनचाहा जीवनसाथी मिलता है. वैवाहिक जीवन में प्रेम बना रहता है.

सावन 2026 में कब-कब सोमवार?

- **पहला सावन सोमवार : 3 अगस्त 2026**
- **दूसरा सावन सोमवार : 10 अगस्त 2026**
- **तीसरा सावन सोमवार : 17 अगस्त 2026**
- **चौथा सावन सोमवार : 24 अगस्त 2026**

वट पूर्णिमा व्रत के दिन क्या करें क्या न करें?

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए वट पूर्णिमा व्रत का विशेष महत्व है. यह व्रत विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अच्छी सेहत और सुख-समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना के लिए बेहद श्रद्धा और विश्वास के साथ रखा जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन माता सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और पातिव्रत धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस मांग लिए थे. मुख्य रूप से यह पर्व महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और पश्चिमी भारत के राज्यों में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है. इस साल 29 जून 2026, सोमवार को वट पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा. यदि आप भी इस साल यह पवित्र व्रत रखने जा रही हैं, तो पूजा से पहले इसके जरूरी नियम जरूर जान लें.

वट पूर्णिमा व्रत 2026 कब है?

द्रिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि 29 जून 2026 को सुबह 3:06 बजे शुरू होगी और 30 जून 2026 को सुबह 5:26 बजे समाप्त होगी. उदया तिथि के आधार पर वट पूर्णिमा व्रत 29 जून 2026, सोमवार को रखा जाएगा. इस दिन विवाहित महिलाएं व्रत रखकर बरगद के वृक्ष की पूजा करेंगी और अपने पति के सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करेंगी.

वट पूर्णिमा के दिन क्या करें?

वट पूर्णिमा के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ या नए कपड़े पहनें. इसके बाद भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और माता सावित्री का स्मरण करते हुए व्रत का संकल्प लें. पूजा के समय बरगद के वृक्ष पर जल अर्पित करें, रोली, अक्षत, फूल, धूप, दीप और फल चढ़ाएं. इसके बाद कच्चा सूत या मौली लेकर बरगद के पेड़ की परिक्रमा करते हुए उसे लपेटें. सावित्री-सत्यवान की कथा सुनें या पढ़ें और अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य तथा सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करें. इस दिन जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करना और भगवान का ध्यान करना भी शुभ माना जाता है.

वट पूर्णिमा के दिन क्या न करें?

वट पूर्णिमा के दिन क्रोध, झूठ, विवाद और किसी का अपमान करने से बचना चाहिए. पूजा के दौरान जल्दबाजी न करें और पूरे श्रद्धाभाव से पूजा को पूरा करें. बरगद के पेड़ की बेवजह टहनियां या पत्तियां नहीं तोड़नी चाहिए, क्योंकि इसे पवित्र माना जाता है. व्रत के दिन मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए. इसके अलावा मन में नकारात्मक विचार न आने दें और परिवार के सदस्यों के साथ प्रेम व सम्मान का व्यवहार करें. मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा, संयम और सकारात्मक सोच के साथ किया गया वट पूर्णिमा व्रत अधिक फलदायी माना जाता है.

वट पूर्णिमा व्रत का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट पूर्णिमा व्रत का संबंध माता सावित्री और उनके पति सत्यवान की कथा से जुड़ा है. कहा जाता है कि माता सावित्री ने अपने अटूट प्रेम, तप और दृढ़ संकल्प के बल पर यमराज से अपने पति के प्राण वापस लिए थे. तभी से यह व्रत अखंड सौभाग्य और दांपत्य जीवन की खुशहाली का प्रतीक माना जाता है. बरगद के वृक्ष को भी हिंदू धर्म में बहुत ही पवित्र माना गया है. इसकी लंबी आयु और विशाल स्वरूप को स्थिरता, समृद्धि और लंबे जीवन का प्रतीक माना जाता है.